देश का Darpan News TV

FASTWAY

Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक-218 | जयपुर, सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025 | मूल्य : 5.00 पेज:

रामचरितमानस की चौपाइयों संग जगमगाई अयोध्या

अयोध्या
प्रभु श्रीराम के दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद रामनगरी में आयोजित 9वां दीपोत्सव इतिहास के स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया। यह दीपोत्सव इसलिए भी विशेष रहा कि रामनगरी एक नहीं बल्कि दो कीर्तिमानों की साक्षी बनी। अयोध्या के 9वें दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाए गए। राम की पैड़ी पर दीपोत्सव में कुल 26 लाख 11 हजार 101 प्रज्वलित दीयों का कीर्तिमान बनाया गया।

और कई साधु-संत और भक्तों ने सरयू माता की महाआरती में भाग लिया। एक ओर दीयों की दीप्ति से रामकी पैड़ी, भजन संध्या स्थल और चौधरी चरण सिंह घाट आलोकित रहा तो दूसरी ओर सरयू माता भी। एक नहीं, दो नहीं, बल्कि 16 सौ श्रद्धावनत भक्त मां सरयू की आरती में आबद्ध रहे। अपनी तरह के पहले आयोजन पर एक साथ दो विश्व कीर्तिमान बना कर सरयू माता इतराती और गौरवान्वित होती प्रतीत हुईं।

राम की पैड़ी, चौधरी चरण सिंह घाट और भजन संध्या स्थल पर एक साथ 26 लाख 11 हजार 101 दीये रोशन हुए। इसके पहले सीएम योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और महाआरती के संयोजक महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी की मौजूदगी में 1600 साधु-संत, वेदाचार्य व अर्चकों ने पुण्य सलिला सरयू की महाआरती की।

विकसित सांस्कृतिक विरासत की झलक

सूचना विभाग, अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी और पर्यटन-संस्कृति विभाग की कुल मिलाकर 22 झांकियां जैसे ही रामपथ से गुजरीं, श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सजीव पात्रों और आधुनिक तकनीक से सजी इन झांकियों ने श्रीराम के जीवन और रामायण के सातों कांडों बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किन्धाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड को साकार कर दिया। हर झांकी अपनी कथा कहती नजर आई, कहीं राम जन्म का उल्लास था, तो कहीं लंका विजय का पराक्रम। कलाकारों ने संगीत, नृत्य और अभिनय के माध्यम से त्रेता युग की मयार्दा, भक्ति और आदर्शों को जीवंत कर दिया। मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वच्छ और हरित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर नारी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान कैशलेस जैसी योजनाओं की झलक देखने को मिली।

1121 बटुकों ने विश्व कीर्तिमान रचा

इसमें 1121 बटुकों ने एक साथ सरयू आरती कर विश्व कीर्तिमान रचा। इसकी घोषणा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ने की है। सरयू तट पर 16 खंडों में बंटे अर्चकों ने एक साथ मोक्षदायिनी की आरती कर इतिहास रचा। प्रत्येक खंड में एक मुख्य अर्चक रहा और 100-100 की संख्या में भक्त आरती करते दिखे।

पुष्पवर्षा, आरती और लोकनृत्यों से गूंजा दीपोत्सव

अयोध्या: भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या में दीपोत्सव 2025 के तहत रविवार को रामायण काल की झांकियों का अद्भुत संगम देखने को मिला। जैसे ही पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने ढोल नगाड़े बजाकर साकेत महाविद्यालय परिसर से झांकियों को जय श्री राम का ध्वज लहराकर रवाना किया, पूरा वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। इन झांकियों के रामपथ पर पहुंचते ही लगा मानो त्रेता युग का वैभव और मयार्दा वर्तमान में लौट आई हो। अयोध्या सांस्कृतिक शोभायात्रा के दौरान पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 से लगातार भगवान राम की पावन धरती पर दीपोत्सव का कार्यक्रम दिव्यता, भव्यता, अलौकिकता के साथ मनाया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में हर बार हम अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। इस बार तीन नए कीर्तिमान बनेंगे। दिए की संख्या का रिकॉर्ड बनेगा तो 1100 ड्रोन एक साथ करतब दिखाएंगे।

त्योहारों पर मिलावटखोरों पर कसा शिकंजा

लखनऊ। त्योहारों के मौसम में आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ा अभियान चलाया गया है। अभियान खत्म होने के बाद भी मिलावटखोर आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न कर सकें, इसके लिए योगी सरकार के निर्देश पर जिला स्तर पर प्रवर्तन दलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। इसके तहत नियमित रूप से बाजारों की निगरानी की जा रही है। योगी सरकार का मानना है कि दीपावली का पर्व केवल रोशनी का नहीं बल्कि शुद्धता, पारदर्शिता और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा का प्रतीक भी होना चाहिए।

रिश्वत कांडः डीआईजी के साथ पकड़ा गया बिचौलिया

चंडीगढ़
डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर रिश्वतकांड में पकड़े गए बिचौलिये कृष्णू शारदा की शनिवार को कई नई तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें वो पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू, आईपीएस मुखविंदर सिंह छीना, आईएएस वरुण रूजम, आईपीएस गुरसिमरत सिंह ढिल्लों, डीएसपी दविंदर कुमार अत्री के साथ है।

सीबीआई की कार्रवाई के बाद कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिरी कृष्णू के साथ इनका क्या रिश्ता है। ज्यादातर वायरल तस्वीरें नवजोत सिंह सिद्धू के साथ हैं। इनमें कृष्णू सिद्ध के बेटे की रिसेप्शन पार्टी में नजर आता है।

देवस्थान विभाग के 544 मंदिरों में होगा पंचपर्वा दीपावली महोत्सव

जयपुर! राजस्थान के देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित और नियंत्रित समस्त राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी एवं प्रन्यास प्रबंधित मंदिरों में इस बार दीपावली के अवसर पर पंचपर्वा दीपावली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है! इसके तहत देवस्थान विभाग के अधीन 544 राजकीय मंदिरों में रंगोली निर्माण, प्रकाश एवं लाइटिंग व्यवस्था, दीपोत्सव, महाआरती और भक्ति संध्या, महाभोग एवं प्रसाद वितरण मिटटी के गणेश का पूजन होगा! पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने इस पंचपर्वा दीपावली का शुभारंभ रविवार को जयपुर के चांदनी चौक स्थित श्री ब्रज निधि जी मंदिर में पूजा-अर्चना करे किया! इस दौरान उन्होंने आसपास के देवस्थान विभाग के मंदिरों की साज-सज्जा का अवलोकन किया! उन्होंने मंदिरों में माकूल व्यवस्थाएं करने के लिए विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया; उन्होंने बताया कि मंदिरों की विशेष सजावट व अन्य धार्मिक कार्यों के लिए

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर कुल 8 करोड 10 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है! इसके तहत विभाग के 544 मंदिरों में 24 अक्टूबर तक विभिन्न आयोजन किए जाएंगे! मंत्री श्री कुमावत ने बताया कि इस बार देवस्थान विभाग के मंदिरों में धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गौवर्धन पूजा व भाई दूज के कार्यक्रमों का आयोजन होगा! इसके तहत सभी मंदिर परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर पुष्प मालाओं से सजावट की गई है! इसके अलावा स्थानीय कलाकारों एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता से मंदिरों में आकर्षक रंगोलियां बनाई गई हैं, जो पारंपरिक और सांस्कतिक सौंदर्य का प्रतीक हैं! इसके साथ ही दीपों एवं विद्युत लाइटिंग से मंदिरों को आलोकित कर संपूर्ण वातावरण दीपोत्सवमय बनाया गया है! मंत्री श्री कुमावत ने बताया कि दीपावली की रात्रि को सभी मंदिरों में विशेष महाआरती का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे एक दीप सबके लिए का संदेश प्रसारित होगा ! इस दौरान मंदिरों में भक्ति संगीत, कीर्तन और सांस्कतिक गतिविधियां भी आयोजित होंगी ! इसके अलावा देव प्रतिमा को विशेष महाभोग अर्पित किया जाएगा, तत्पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा! इस बार पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ इस बार मिटटी से निर्मित गणेश एवं लक्ष्मी की प्रतिमाओं का पूजन किया जाएगा!

डिविजन वाइज मंदिरों की संख्या

देवस्थान विभाग के जयपुर प्रथम डिवीजन में 37, जयपुर द्वितीय में 17, अजमेर में 21, उदयपुर में 98, बीकानेर में 100, हनुमानगढ में 21, कोटा में 53, भरतपुर के 57, जोधपुर के 20, ऋषभदेव के 100 तथा वृंदावन डिविजन के 20 मंदिरों में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं!

बगावत की तैयारी में राजद महिला सेल की प्रदेश अध्यक्ष, परिहार से निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी

सीतामढ़ी 19 अक्टूबर (पीएमए) राजद की तेज तर्रार महिला नेत्री और महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रितु जायसवाल पार्टी से बगावत के मूड में है। उन्होंने परिहार विधानसभा सीट के अलावा किसी भी दूसरी सीट से चुनाव लड़ने से साफ इंकार कर दिया है।

समाचार एजेंसी पी एम ए से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर पार्टी ने अपने निर्णय में सुधार करते हुए उन्हें परिहार से टिकट नहीं दिया तो वे निर्दलीय मैदान में उतरने को विवश हो जाएंगी।

जनता के नाम संदेश जारी

उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर भी जनता के नाम संदेश जारी कर परिहार विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात कहकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि शनिवार की शाम जैसे ही यह चर्चा फैली कि उन्हें परिहार से टिकट न देकर बेलसंड से उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना है।

इसके बाद से परिहार की जनता के कई फोन और फेसबुक-ट्विटर पर संदेश आने लगे। सबकी एक ही अपील थी झ ह्लमैडम, परिहार को मत छोड़िए।ह्व परिहार की बदहाल स्थिति के लिए वर्तमान भाजपा विधायक गायत्री देवी ही नहीं, बल्कि पूर्व विधायक डॉ. रामचंद्र पूर्वे भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।

डॉ. पूर्वे ने गद्दारी की थी

उन्होंने लिखा है कि यह बात किसी से छिपी नहीं है कि डॉ. पूर्वे ने पिछले विधानसभा चुनाव में राजद के एमएलसी रहते हुए, पार्टी से गद्दारी की थी। इसी कारण मुझे मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। आज जब पार्टी ने डॉ. पूर्वे की बहू स्मिता पूर्वे को परिहार से टिकट दिया है, तो यह उनकी गद्दारी का पुरस्कार जैसा प्रतीत होता है।

परिहार को छोड़कर किसी अन्य क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ना मेरी आत्मा को स्वीकार नहीं। इसलिए मैंने पार्टी नेतृत्व को साफ तौर पर अवगत करा दिया है कि यदि पार्टी किसी मजबूरीवश अपना निर्णय नहीं बदलती है, तो मैं परिहार से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ूंगी।

दीपोत्सव के मौके पर फूलों से सजी अयोध्या नगरी, झांकियों से जीता भक्तों का दिल

अयोध्या 19 अक्टूबर (पीएमए) 20 अक्टूबर दीपावली से पहले अयोध्या का नजारा बदल गया है। भगवान श्री राम की स्वागत के लिए अयोध्या नगरी को फूलों और दीपों से सजाया जा रहा है।

जगह-जगह फूलों से पंडालों को सजाया जा रहा है और भक्तों को अयोध्या में अलग ही माहौल देखने को मिल रहा है। अयोध्या में दीपोत्सव के मौके पर अलग ही छठा देखने को मिल रही हैं। सीएम योगी के आगमन को देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। भक्त भी दूर-दूर से रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में गुजरात के वडोदरा से आए परिवार ने बताया कि उनके दर्शन बहुत अच्छे से हुए हैं क्योंकि प्रदेश में सीएम योगी और देश की कमान पीएम मोदी संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या को बहुत अच्छा सजाया गया है और दर्शन की भी विशेष सुविधा की गई है। दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या नगरी में सुंदर-सुंदर झांकिया भी देखी गई। नाटक मंडली अलग-अलग वेश लेकर झांकिया निकाल रही है। इसके अलावा रथ पर भगवान श्रीराम के बाल कांड की प्रस्तुति की जाती है, जिसमें छोटे-छोटे बच्चे को राम और सिया के रूप में देखा जा रहा है।

अयोध्या नगरी का माहौल ऐसा है कि किसी का भी मन मोहित हो जाए। आज का दिन अयोध्या नगरी के लिए खास है क्योंकि सीएम योगी अयोध्या आने वाले हैं और दीपोत्सव में एक साथ 26 लाख 11 हजार 101 दीये जलाए जाएंगे। इतने दीए जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी हो रही हैं। दीयो में तेल डालने का काम भी शुरू हो चुका है। अलग-अलग 56 घाटों पर दीए लगाए गए हैं और रंगोली से भी सुसज्जित करने का भी काम हो रहा है।

इसके साथ ही घाटों की सुरक्षा का भी खास रखा जा रहा है। घाटों पर बिना आईडी कार्ड के किसी भी एंट्री नहीं होगी और जो भी लोग दीपोत्सव का हिस्सा बनेंगे वो भारतीय सूती परिधान में दिखेंगे। इसके अलावा दीयों में तेल डालने का काम तरीके के किया जा रहा है और दीए की बाती पर कपूर का पाउडर भी लगाने का काम हो रहा है।

कपूर्री ठाकुर के गांव से पीएम करेंगे बिहार चुनाव का शंखनाद

पटना 19 अक्टूबर (पीएमए) बिहार विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच पहले चरण के नामांकन पत्र की स्क्रूटनी पूरी प्रक्रिया पूरी हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग के वेबसाइट पर अपलोड की गई सूची के अनुसार पहले चरण में कुल 467 नामांकन करने वाले प्रत्याशियों का नामांकन पत्र रद कर दिया गया है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी ने पांच नेताओं को टिकट दिया है, जिसके साथ ही अब तक कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की कुल संख्या 53 हो गई है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि , "बिहार चुनाव के लिए पीएम मोदी का चुनाव प्रचार 24 अक्टूबर को समस्तीपुर के कपूर्री ग्राम से शुरू होगा। वह जननायक कपूर्री ठाकुर के आवास पर भी जाएंगे और भारत रत्न को श्रद्धांजलि देने के बाद अपनी रैली शुरू करेंगे। पीएम मोदी 24, 30 अक्टूबर

भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर ने बनाई सेवा बस्ती में दीपावली

जयपुरः भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर ने आज दीपावली के पावन पर्व पर जयसिंहपुरा खोर स्थित कच्ची बस्ती में घुमंतू जाति के परिवारों को राशन किटों का वितरण किया, और उनके साथ दीपावली की खुशियां बांटी।

जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि इस राशन किट में राशन सामग्री के साथ-साथ पूजन का सामान, दीपक और मिठाई भी शामिल थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश है कि ह्लशोषित, पीड़ित, दलित और वंचित वर्ग को सशक्त बनाने से ही देश सशक्त बनेगाह्व – इसी भावना से समाज उत्थान का यह

अभियान आगे बढ़ाया जा रहा है।

गोयल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर ने इसी प्रेरणा से 16 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में आत्मनिर्भर भारत रोजगार उत्सव बनाकर 54 परिवारों को स्वरोजगार के साधन उपलब्ध करवाकर आत्मनिर्भर बनाया था।

अभियान की संयोजक रेखा राठौड़ ने बताया कि आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर न केवल राजनीतिक गतिविधियों में बल्कि सामाजिक सेवा कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण से समाज उत्थान की भावना से प्रेरित होकर इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया गया है। दीपावली के इस पावन अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने सेवा के माध्यम से सैकड़ों परिवारों के चेहरों पर खुशियों की रोशनी बिखेरी और समाज में सद्भाव, एकता और समरसता का संदेश दिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में लक्ष्मी पूजन 20 को, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ लक्ष्मी पूजन कर प्रदेश की सुख–समृद्धि और खुशहाली की करेंगे कामना

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में दिवाली के शुभ अवसर पर पारंपरिक रूप से लक्ष्मी पूजन का आयोजन सोमवार को किया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि लक्ष्मी पूजन सुबह 10:00 बजे प्रारंभ होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ विधिवत लक्ष्मी पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, तथा पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। पारीक ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ लक्ष्मी पूजन का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समृद्धि, सौहार्द और संगठन की एकता को सुदृढ़ करना है। और फिर 2, 3, 6, 7 नवंबर को चुनाव प्रचार करेंगे।"

आपत्तिजनक ऑडियो वायरल करने वाला गिरफ्तार फूलबेहड़ पुलिस ने आरोपी को उसके ही गांव से पकड़ा

देश का दर्पण। सुनहरा ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी।आपत्तिजनक ऑडियो वायरल करने वाला गिरफ्तार बताते चलें फूलबेहड़ पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक ऑडियो वायरल करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पवन कुमार गौतम उर्फ गुड्डु पुत्र राजेंद्र प्रसाद के रूप में हुई है, जिसे उसके ही गांव गौरियापुरवा, मजरा जौधपुर, थाना फूलबेहड़, लखीमपुर से पकड़ा गया। रविवार समय करीब दोपहर की 1:30 बजे फूलबेहड़ कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक ऑडियो वायरल होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया।पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा द्वारा चलाए जा रहे अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ विधि कार्यवाही पूर्ण कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बाल सुंदर राणा, हेड कांस्टेबल श्यौदान सिंह, कांस्टेबल सूर्य प्रताप राघव और कांस्टेबल मनजीत सिंह शामिल थे।

अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू, हजारों की संख्या में जुटे लोग

न्यूयॉर्क ।अमेरिका भर में तट से तट तक, उत्तर से दक्षिण तक लाखों लोगों ने ह्लनो किंग्सह्व के बैनर तले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। लोगों ने उन पर देश को सत्तावादी रास्ते पर ले जाने का आरोप लगाया।

डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा प्रायोजित यह विरोध प्रदर्शन जून में हुए पहले "नो किंग्स प्रोटेस्ट" के बाद दूसरा था, और इस बार भीड़ ज्यादा थी। ट्रंप से चुनाव हारने वाली कमला हैरिस ने एक्स पर पोस्ट किया, "मैं आपको अपने पड़ोसियों के साथ नो किंग्स कार्यक्रम में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने और अपनी आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। हमारे देश में, सत्ता जनता के पास है।" "नो किंग्स" थीम का उद्देश्य उन ब्रिटिश-विरोधी विरोध प्रदर्शनों को याद दिलाना है जिनके कारण अमेरिका का जन्म हुआ, राजशाही और निरंकुशता का त्याग किया गया, और एक गणतांत्रिक शासन प्रणाली को अपनाया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बात से इनकार किया कि उनकी कोई शाही महत्वाकांक्षा है या वे किसी राजा की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने फॉक्स बिजनेस टीवी के एक इंटरव्यू लेने वाले से कहा, "वे मुझे राजा कह रहे हैं। मैं राजा नहीं हूं।"

इन विरोध प्रदर्शनों के प्रायोजकों में अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन, मानवाधिकार अभियान और शिक्षकों जैसे कुछ ट्रेड यूनियन शामिल हैं। ये विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हुए जब सीनेट में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन्स के बीच गतिरोध के कारण सरकार का अधिकांश हिस्सा बंद है और इसे समाप्त करने के लिए कोई बातचीत नहीं हो पाई।

डेमोक्रेट्स मेडिकल बीमा और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों में कटौती को फिर से लागू करने की मांग कर रहे हैं, जिसके बारे में ट्रंप का कहना है कि इससे राजकोष से 1.5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की राशि निकल जाएगी।

इस गतिरोध के कारण, सीनेट सरकार को अस्थायी रूप से वित्त पोषित करने के लिए कानून पारित करने में असमर्थ है।

ट्रंप द्वारा डेमोक्रेटिक शासित राज्यों में संघीय बल भेजने और अवैध प्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बाद ये विरोध प्रदर्शन भड़क उठे।

सरकारी बंद के दौरान, ट्रंप ने कई डेमोक्रेट शासित राज्यों में कार्यक्रमों के लिए फंड रोक दिया है। विरोध प्रदर्शन का केंद्र बिंदु ट्रंप द्वारा डेमोक्रेट्स के अधीन राज्यों में संघीय नियंत्रण वाली सेना का इस्तेमाल करना था, जिसमें उन्होंने दावा किया कि कानून-व्यवस्था चरमरा गई है और अपराध बेकाबू हो गए हैं।

उन्होंने कुछ शहरों में कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की धमकी दी है, हालांकि अमेरिकी संविधान के तहत राष्ट्रपति शासन का कोई प्रावधान नहीं है। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर हजारों प्रदर्शनकारियों ने जाम लगा दिया।

पश्चिमी तट पर लॉस एंजिल्स में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए, जहां संघीय आव्रजन और अन्य अधिकारियों की आव्रजन प्रवर्तन के खिलाफ प्रदर्शनकारियों से झड़प हुई है।

मोटरसाइकिल सवार युवक और 2 मासूमों समेत 3 की मौत , मातम में बदला सफर

हरदोई 19 अक्टूबर (पीएमए) जिले के संडीला कोतवाली क्षेत्र में एक ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक और दो नाबालिग बहनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि संडीला थाना इलाके में बेगमगंज फ्लाईओवर के पास गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार युवक और दो बच्चियों की मौके पर मौत हो गई। उसने बताया कि उन्नाव जिले में बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र का गुलहरिया निवासी प्रदीप कुमार और कासिमपुर थाना क्षेत्र के पल्हराई गांव में रहने वाला उसका भांजे करन दो मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे।

ट्रक की टक्कर से 2 मासूम समेत 3 की मौत

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि एक मोटरसाइकिल पर प्रदीप अपनी पत्नी के साथ बैठा था जबकि दूसरी मोटरसाइकिल पर करन प्रदीप की पुत्रियों काजल (10) और अंशिका (11) के साथ था। उसने बताया कि बेगमगंज फ्लाईओवर के पास ट्रक ने करन की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में करन और दोनों बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। उसने बताया कि तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने स्ट्रीट वेंडर्स से की दीपावली की खरीदारी, दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली की पूर्व संध्या पर स्थानीय दुकानदारों व स्ट्रीट वेंडर्स से खरीदारी कर वोकल फॉर लोकल का संदेश दिया। वे रविवार को सपरिवार मानसरोवर के किरण पथ स्थित बड़ा बाजार पहुंचे और मिट्टी के दीये, पूजन सामग्री, रंगोली, बंदनवार एवं फल आदि खरीदे।

श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी की दरों में भारी कमी की है, जिससे दैनिक उपयोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। त्यौंहारों पर बचत होने से आमजन में खरीदारी को लेकर काफी उमंग और उत्साह नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देते हुए स्थानीय दुकानदारों और स्ट्रीट वेंडर्स से अधिक से अधिक खरीदारी करनी चाहिए, जिससे उनके घरों में खुशहाली बढ़े। उन्होंने कहा कि देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग कर हमें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

एक कदम गांधी जी के साथ गांधी पद यात्रा

देश का दर्पण। सुनहरा ब्यूरो

लखनऊ। 330 किलो मीटर की दूरी तय करते हुये यह यात्रा आज शाम 6 बजे सरोजनी नगर के कल्ली पश्चिम में गांधी जी के विचारों के साथ सत्य,अहिंसा, हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई आपस में सब भाई भाई जोड़ो नफरत छोड़ो आवाज दो, हम एक है के सिद्धानतिक नारों के साथ प्रवेश कर गई यहाँ पर काग्रेस के जिला अध्यक्ष एडवोकेट रूद्र दमन सिंह ,बबलू भैया, तथा क्षेत्रीय नेता कांग्रेस के जिला सचित पास्टर फिरोज मसीह राजन भईया तथा बहुत से कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया इस स्वागत समारोह में बहन सावित्री शुक्ला, रवि रेमण्ड चरन, अनिल रावत, सुनील सैमुयल, सुनील रावत, बदलू नेता जी, अभिषेक लूका,आदित्य, बाबु लाल, मार्था, का विषेश योगदान रहा अवगत करा दे कि यह पदयात्रा वाराणासी से चल कर दिल्ली तक जाएगी इस पद?यात्रा में नौजवान से लेकर 80 वर्ष तक के पुरुष तथा महिलाये कन्धे से कंधा मिलाकर सविंधान की रक्षा का संकल्प लेकर कदम से कदम मिलाते हुये दिल्ली की ओर बढ़ते चले जा रहे है । रास्ते में बहुत से सामाजिक संगठन इन?का स्वागत करते हुए इन की हिम्मत अवज्ञाई कर रहे है।

केवीके सिफेट अबोहर में विशाल किसान मेला आयोजित

अबोहरः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

कृषि विज्ञान केंद्र अबोहर में आज फसल अवशेष प्रबंधन को समर्पित एक विशाल किसान मेला बड़े उत्साह और जोश के साथ आयोजित किया गया। इस मेले में क्षेत्र के सैकड़ों प्रगतिशील किसान, महिला स्वयं सहायता समूह, कृषि विशेषज्ञ और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिफेट लुधियाना के निदेशक डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले और सिफेट अबोहर के क्षेत्रीय केंद्र के प्रमुख

डॉ. अमित नाथ थे। अपने संबोधन में उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और कटाई के बाद प्रसंस्करण के महत्व पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथियों में श्री कृष्ण पाल, एसडीएम अबोहर, डॉ. अनिल सांगवान (निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, पीएयू, अबोहर), डॉ. राकेश शारदा, डॉ. जगदीश अरोड़ा और डॉ. मनदीप सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। विशेषज्ञों ने किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन, मृदा उर्वरता बनाए रखने, रोग एवं कीट प्रबंधन, पशुपालन के वैज्ञानिक तरीकों और कटाई उपरांत मूल्य संवर्धन के माध्यम से आय बढ़ाने जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। किसानों ने इन व्याख्यानों में गहरी रुचि दिखाई और कई प्रश्न पूछे, जिनका वैज्ञानिकों ने उत्तर दिया। मेले में सीईएफईटी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर, सीईएफईटी परिसर में नवनिर्मित उत्पाद पार्लर का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले ने किया। इस पार्लर में संस्थान द्वारा विकसित प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद, अनाज आधारित मूल्यवर्धित वस्तुएं, फल एवं सब्जी उत्पाद और अन्य नवाचार प्रदर्शित किए गए। किसानों ने इन उत्पादों की सराहना की और इनके निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। कृषि मेले के दौरान, जिले के प्रगतिशील किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन, फल ??एवं सब्जी उत्पादन, फसल विविधीकरण और कृषि यंत्रीकरण में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इन किसानों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। मेले में कृषि विभाग, बागवानी विभाग, मत्स्य विभाग, सहकारी संस्थाओं और अन्य सरकारी व गैर-सरकारी संगठनों के अधिकारी व विशेषज्ञ भी उपस्थित थे। इसके अलावा, महिला स्वयं सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों, कृषि उपकरण निमार्ताओं और कृषि से जुड़ी कंपनियों ने अपने उत्पादों, खाद्य प्रसंस्कृत वस्तुओं और आधुनिक कृषि उपकरणों का प्रदर्शन किया।

जिला पदाधिकारी सिवान एवं पुलिस अधीक्षक सिवान की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी विधानसभा निर्वाचन एवं दीपावली, काली पूजा एवं छठ पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान, 19 अक्टूबर 2025 रविवार को जिला पदाधिकारी सिवान डॉ आदित्य प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार तिवारी के संयुक्त अध्यक्षता में डॉ अंबेडकर भवन सिवान के संवाद कक्ष में आगामीविधानसभाचुनाव-2025 ,दीपावली,काली पूजा तथा छठ महापर्व के दौरान सिवान जिला में विधि- व्यवस्था संधारण करने एवं पर्व शांतिपूर्ण माहौल में हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के निमित सभी निर्वाची पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी,सभी अंचलाधिकारी एवं सभी थाना प्रभारीगण के साथ बैठक की गई ।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारी को अपने-अपने दायित्वों को गंभीरता से संपादन करने का निर्देश दिया।

बैठक मे असामाजिक/ शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया।

दीपावली काली पूजा एवं छठ पर्व जो कि लोकआस्था का महापर्व है, संभावित भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

बैठक मे पुलिस अधीक्षक के द्वारा यह निर्देश दिया कि कहीं भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर तुरंत कानूनी कार्रवाई करें तथा इसकी सूचना भी दें।

इसके साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इस बात को सुनिश्चित करेंगे की भारतीय विस्फोटक अधिनियम 1884 एवं भारतीय विस्फोटक नियमावली 2008 के प्रावधानों के आलोक मे जिले में कोई भी पटाखा की दुकान बिना लाइसेंस के संचालित न हो ।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के स्तर से जारी किए गए निदेशो में मुख्य बिंदु निम्नवत है।

1) दीपावली, काली पूजा एवं छठ पर्व के अवसर पर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी ,अंचल अधिकारी ,थाना अध्यक्ष ,ओपी अध्यक्ष सतत निगरानी रखेंगे एवं गश्ती करते हुए विधि व्यवस्था एवं शांति बनाए रखेंगे ।

2)जिन दंडाधिकारियों ,पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति विधि व्यवस्था संधारण हेतु विभिन्न स्थलों पर की गई है वो अपने कार्य स्थल पर पूरी तत्परता के साथ मौजूद रहेंगे एवं सतर्कता बरतते हुए असामान्य परिस्थितियों से निपटने के लिए भी तैयार रहेंगे और इसकी जानकारी जिला नियंत्रण कक्ष एवं वरीय पदाधिकारियों को भी उपलब्ध कराएंगे।

3) प्राय दीपावली के दौरान जुआ खेलने की शिकायत भी प्राप्त होती है अतः संबंधित थाना ऐसे तत्वों से निबटेंगे एवं नशाखोरी करने वाले लोगों पर भी नजर रखेंगे एवं कार्यवाही करेंगे।

3) 112 रिस्पांस गश्ती वाहन, किसी दुर्घटना की स्थिति में स्वास्थ्य राहत पहुंचाने की दृष्टिकोण से भी पूरा सहयोग मेडिकल टीम को देंगे ।

4) थाना एवं अंचल स्तर पर अंचलाधिकारी एवं थाना अध्यक्ष पूरी सतर्कता बरतेंगे एवं दीपावली से लेकर छठ पूजा तक यदि सामुदायिक तनातनी की आशंका भी होती है तो उस स्थिति में घटनास्थल/क्षेत्र अपनी उपस्थिति बनाए रखेंगे एवं सामुदायिक बैठकों के माध्यम से लोगों में सौहार्द बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

5) सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि पूजा के दौरान जिनकी भी तैनाती विभिन्न स्थानों पर मेडिकल सुविधा के लिए की जा रही है उनकी रोस्टर वार सूची नियंत्रण कक्ष से लेकर ड्यूटी पर तैनात दंडाधिकारियों तक को उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करेंगे।

6) जिला अग्निशाम पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि जहां भी भीड़भाड़ वाले स्थान पर आगलगी की संभावना को देखते हुए अग्निशमन वाहन एवं टीम को तैनात रखेंगे।

7) जिला पदाधिकारी के द्वारा विशेष तौर पर बिजली विभाग एवं भवन प्रमंडल को निदर्शित किया गया है कि टीम बनाकर काली पूजा के दौरान लगने वाले पंडालों में बिजली के तारों एवं टेंट की सुरक्षा की जांच कर ली जाए जिससे कि यदि कोई समस्या हो तो पूर्व में ही उसे ठीक कर लिया जाए।

जयपुर में अवैध निर्माण का मामला: सीज बिल्डिंग में तीसरी मंजिल का कार्य शुरू, जेडीए की कार्रवाई को चुनौती

जयपुर: शहर के शास्त्री नगर स्थित खसरा नंबर 252, ग्राम बस्सी सीतारामपुरा में जेडीए द्वारा सीज की गई बिल्डिंग में अवैध रूप से तीसरी मंजिल का निर्माण शुरू होने से सनसनी फैल गई है। स्थानीय निवासी ने शिकायत दर्ज कराई है कि संदेश मोयल, इंद्रनील मुखर्जी, प्रतुलबाका, कचनबाका और सुब्रामोदानी नामक लोग कुछ अन्य सहयोगियों के साथ जेडीए की रोक के बावजूद निर्माण कार्य चला रहे हैं।

शिकायत में दावा किया गया है कि उक्त भूमि वन विभाग के नाम पुराने राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, फिर भी आरोपी इसे अपनी बताकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इतना ही नहीं, जेडीए द्वारा लगाई गई सीज की रस्सी को भी तोड़ा गया, जो गंभीर अपराध माना जा रहा है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि पहले की शिकायत पर निर्माण रुकवाया गया था, लेकिन अब फिर से गतिविधियां शुरू हो गई हैं।

साथ ही, आरोपियों ने मुख्य सड़क की ओर ग्रीन परदे लगाकर अवैध निर्माण छिपाने की कोशिश की है और अंडरग्राउंड बेसमेंट भी बनाया जा रहा है। शिकायत के साथ संबंधित फोटोग्राफ भी जमा किए गए हैं। जेडीए अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सख्त कार्रवाई की बात कही है।

सीएए से मिली दीपावली पर खुशी- माता-पिता से मिलने तरस रही पूनम अब हुई भारतीय

रामपुर। सीएए से कई नागरिकों को बड़ा फायदा हुआ है। उन्हें भारतीय नागरिकता मिलने से उनके जीवन में स्थायित्व आया है। पाकिस्तानी पूनम अब भारतीय नागरिक बन चुकी हैं। यह खुशखबरी उनके जीवन में दिवाली की खुशियों को दोगुना कर गई है। नागरिकता के अभाव में पूनम पिछले 12 सालों से अपने माता-पिता से मिलने के लिए तरस रही थीं। ऐसे में सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) ने उनकी उम्मीदों को नया जीवन दे दिया। इस साल अप्रैल में नागरिकता के लिए आवेदन किया और केवल पांच महीने में उन्हें भारतीय नागरिकता मिल गई।

रामपुर के सिविल लाइंस स्थित बीपी कॉलोनी के रहने वाले पुनीत कुमार की 2005 में पाकिस्तान स्थित पेशावर के पास स्वात वैली निवासी पूनम के साथ शादी हुई। पूनम ने इंटर तक की पढ़ाई पाकिस्तान में ही की। उनके पिता दीनानाथ चावला पाकिस्तान में चाय पत्ती के थोक कारोबारी हैं। उनके परिवार के कई सदस्य दिल्ली के जनकपुरी में रहते हैं। अब सवाल उठता है कि आखिर वो हिंदुस्तान क्यों आईं और यहां शादी क्यों की। बता दें, साल 2004 में पूनम के परिवार ने भारत में रहने का फैसला लिया। इसके लिए दीनानाथ चावला ने अपने बेटे गगन चावला और बेटी पूनम को दिल्ली भेज दिया। यहां यह दोनों अपनी बुआ के घर रहने लगे। बुआ ने पूनम की शादी रिश्तेदार के पुनीत से करवाने का फैसला लिया। पुनीत रामपुर में रहते हैं। 2005 में उनके माता-पिता दिल्ली आए और विवाह संपन्न कराने के बाद वापस पाकिस्तान लौट गए।

वर्ष 2013 तक पूनम अपने पाकिस्तानी पासपोर्ट के जरिए माता-पिता से मिलने पाकिस्तान जाती रहीं। लेकिन पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने के बाद न तो वीजा बना और न ही वह पाकिस्तान जा सकीं। भारतीय नागरिकता न होने के कारण उनके पास कोई भारतीय दस्तावेज नहीं थे। पहले भी उन्होंने नागरिकता के लिए आवेदन किया था, लेकिन कागजात खो जाने के कारण कामयाबी नहीं मिली। दिल्ली से लखनऊ के बीच कई बार दौड़ने के बाद भी नागरिकता नहीं मिली। इस साल मार्च में पूनम को पता चला कि नागरिकता संशोधन कानून लागू हो गया है और अब फिर से आवेदन किया जा सकता है। अप्रैल के पहले सप्ताह में पूनम ने ऑनलाइन आवेदन किया। उनके पास नागरिकता मिलने का मेल आया। इसे देखकर उनके आंसू भर आए। उन्होंने कहा कि उनके सपने को सीएए ने पूरा किया है। उन्हें तो दूर-दूर तक उम्मीद नहीं रही थी। अब वह दिवाली के बाद लखनऊ जाकर नागरिकता की मूल कॉपी लेंगी। गौरतलब है, रामपुर में पूनम फिलहाल अकेली पाकिस्तानी हिंदू हैं।

जिलाधिकारी की संवेदनशीलता से दिव्यांग को मात्र दो घण्टे में उपलब्ध करायी गयी पेंशन और आधार कार्ड

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के समाधान सम्पूर्ण दिवस मड़ियाहू में शनिवार को सुनवाई के दौरान दुबेपुर मडियाहू निवासी दिव्यांग नवीन कुमार पुत्र छोटेलाल जो बोलने और चलने में असमर्थ है, और पूर्णतः अपने परिजनों पर निर्भर है। आज अपने परिवारजन के साथ संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनका आधार कार्ड विगत 10 वर्षों से नहीं बन पा रहा है।

प्रकरण संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी ने अत्यंत संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल शासकीय वाहन से दिव्यांग नवीन को जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला और नायब तहसीलदार अमित सरोज के साथ भेजा और मात्र दो घंटे के अंदर ही सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराते हुए नवीन का आधार कार्ड और दिव्यांग पेंशन बनवा दिया गया। इसके साथ ही उन्हें व्हीलचेयर प्रदान करते हुए अंगवस्त्रम, फल, और मिष्ठान भी प्रदान करते हुए धनतेरस और आगामी त्यौहारों की शुभकामनाएं भी दी ।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में और भी प्रकरण ऐसे हैं तो वह जनसुनवाई में आकर मिल सकते हैं, तत्काल निस्तारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश है कि ऐसे संवेदनशील प्रकरणों को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाए।

दिव्यांग नवीन और उनके परिवारजन द्वारा मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के साथ ही जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया गया और धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर सिवान जिले में 6 नवंबर को मतदान देने हेतु मतदाता जागरूकता अभियान के जरिए जनभागीदारी और सामुदायिक उत्साह में बढ़ोतरी का लगातार प्रयास किया जा रहा है

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सीवन जिले में 19, अक्टूबर 2025 रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, सिवान डॉ आदित्य प्रकाश के आदेश और मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता अभियान लोकतंत्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

दरवाजा खटखटाओ झ मतदाता बुलाओ

मतदाता जागरूकता अभियान गाँव-गाँव पहुँचकर लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता फैला रही हैं। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका एवं दीदियाँ घर-घर

जाकर लोगों से संवाद कर रही हैं और उन्हें यह संदेश दे रही हैं कि ह्लहर वोट की कीमत है, हर मतदाता की भागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत बनता है।ह्व सबों को 06 नवंबर 2025 को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जीविका दीदियों द्वारा प्रेरणादायक मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

अभियान में महिलाओं से बताया जा रहा है कि ह्लमतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी है, जिसके माध्यम से हम अपने भविष्य की दिशा तय करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी सेविका सहायिका एवं जीविका दीदियों ने रचनात्मक तरीकों से लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

गाँवों में रैली, प्रभात फेरी, लोकगीत, रंगोली, नारे लेखन और मेहंदी प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने मतदान को जन-अभियान का रूप दे दिया।

जीविका दीदी ने बताया कि वे प्रतिदिन गाँवों में जाकर दरवाजा खटखटाकर परिवारों को मतदान के महत्व की जानकारी देती हैं। वे लोगों से आग्रह करती हैं कि त्योहारों में घर लौटे लोग पहले मतदान करें और फिर ही वापस जाएँ – क्योंकि यही सच्ची नागरिक जिम्मेदारी है।

पंच परिवर्तन-राष्ट्र जागरण विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित,

देश का दर्पण न्यूज, धौलपुर(धर्मेन्द्र बिधौलिया) 19 अक्टूबर।

समाज में बड़े परिवर्तन की शुरूआत छोटे-छोटे प्रयासों से ही होती है। जब हम अपने व्यवहार में सुधार लाते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव होता है। समय पालन, दूसरों की निस्वार्थ मदद, पर्यावरण का ध्यान रखना, पारिवारिक जुड़ाव बनाए रखना ये सब ऐसी आदतें है जिनके पालन से पूरे समाज में सकारात्मक परिवर्तन होगा। आज का समय केवल चर्चा का नहीं बल्कि कर्म का समय है। पंच परिवर्तन का सिद्धांत हर भारतीय को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

उपरोक्त बातें भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व ऑयल इण्डिया कम्पनी लिमिटेड के स्वतन्त्र

निदेशक मोतीलाल मीणा ने कही। वे स्वजागृत समाज की ओर से ह्लपंच परिवर्तन-राष्ट्र जागरण" विषय पर दीपावली मिलन की पूर्व संध्या पर आयोजित विचार गोष्ठी के अवसर पर सोना हवेली के प्रेक्षागृह में उपस्थित नागरिकों को मुख्य अतिथि के रुप मे संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल विचारों तक सीमित नहीं है बल्कि इन्हें हर नागरिक को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।? समाज कि यह मांग है कि सब लोग समान दृष्टि से एक दूसरे को देखें। ऊंच नीच का भेद समाप्त करना एक विकसित भारत के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। सामाजिक समरसता की स्थापना से ही भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा होगा।

उन्होंने संयुक्त परिवार के बारे में संबोधित करते हुए लोगों से कहा कि भारत की परिवार व्यवस्था विश्व के लिए पथ प्रदर्शक का काम करती है, लेकिन आज आधुनिकता के चक्कर में यह व्यवस्था कमजोर पड़ रही है। इसे समझने और फिर से मजबूत करने की आवश्यकता है। यदि परिवार व्यवस्था समाप्त हो गई तो हमारे पूर्वजों ने जो सांस्कृतिक मूल्य स्थापित किये हैं वे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे।

इसी क्रम में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि आज आधुनिकता के चक्कर में हम तेजी से घर तो बना रहे हैं, लेकिन उस आड़ में कटते हुए वृक्षों की चिंता हम नहीं कर रहे, इससे आने वाला समय बहुत दुष्कर होगा।

टूटेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड: 26 लाख दीपक से सजेगी अयोध्या और 2100 लोग करेंगे महाआरती

अयोध्या। अयोध्या में दीपोत्सव की भव्य तैयारियां जोरों पर हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम लगभग 150 सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंच चुकी है और इस बार इतिहास दोहराने से आगे बढ़कर, नया इतिहास रचने का लक्ष्य है। इस बार अयोध्या में एक साथ तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जाएंगे।

26 लाख,11 हजार 101 दीपक जलाकर कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी में अवध विश्वविद्यालय के 35,000 वालंटियर जुटे हैं। वहीं, 2,100 लोगों द्वारा सामूहिक आरती का रिकॉर्ड भी बनाने की योजना है, जिसके लिए गिनीज बुक की टीम मौजूद है। अब सवाल उठता है कि गिनीज टीम एक-एक दीपक की गिनती कैसे करती है और क्या इसमें तकनीक का इस्तेमाल होता है।

गिनीज टीम के एडवाइजर निश्चल बारूल के मुताबिक, इस बार काउंटिंग के लिए तीन अलग-अलग पद्धतियों का इस्तेमाल किया जाएगा। हाई-टेक सॉफ्टवेयर, ड्रोन और डिजिटल अकाउंटिंग के जरिए दीपों की गिनती की जाएगी, ताकि हर एक दीये का सटीक आंकड़ा सामने आ सके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के सदस्य निश्चल ने बताया कि पिछले वर्ष लगभग 25 लाख 12000 दीपक जलाए गए थे इस वर्ष लक्ष्य 26,11,101 दीपक जलने का है और राम की पैड़ी के तटों पर 29 लाख दीपक बिछाए जाएंगे।

2100 लोग करेंगे सरयू की महाआरती

इस भव्य आयोजन के लिए 190 लोगों की टीम दिन-रात काम में जुटी है और सिर्फ दीप ही नहीं, बल्कि सरयू की महाआरती भी इस साल इतिहास रचने वाली है। 2100 लोग एक साथ सरयू की महाआरती करेंगे और इसका भी रिकॉर्ड दर्ज कराने की तैयारी हो रही है। ड्राई रन के लिए विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जो हर मूवमेंट और संख्या पर पैनी नजर रखेगा।

धनतेरस पर सराफा बाजार में कारोबार की धूम

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे नगर और कस्बों में धनतेरस की धूम तो मची मगर इस पर्व पर महँगाई भारी पड़ी। बाजारों में धनतेरस के दिन स्टील के बर्तनों की जमकर खरीददारी देखी गयी जबकि सराफा बाजार भी गर्म रहा। धनतेरस की धूम को देखते हुये स्थानीय पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से तगड़े प्रबन्ध किये थे।

हमीरपुर नगर में धन्वतरी की जयन्ती के साथ ही नगर की प्रमुख बाजार में धनतेरस की धूम भी शुरू हो गयी जो देर रात तक खरीददारों का दुकानों में मेला लगा रहा। सुभाष बाजार में धनतेरस में भीड़ उमड? से अव्यवस्था का बोलबाला कायम रहा। बाजार में स्टील के बर्तन और लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों की खरीददारी के लिये लोगों में खासी होड़ लगी रही। ज्यादातर लोगों ने मिट्टी से बने गणेश लक्ष्मी की मूर्तियाँ खरीदी। इन मूर्तियों को लेने वाली महिलाओं का कहना है कि दीपावली पर्व पर मिट्टी के गणेश लक्ष्मी की मूर्तियाँ शुभ होती है। धनतेरस के दिन बाजार में सबसे ज्यादा स्टील और पीतल के बर्तनों की बिक्री हुयी।

महँगाई का आगाज भी देखिये कि जो छोटा चम्मच 10 रुपये कीमत का था वह धनतेरस पर दूने दामों में बिका। आम लोग रश्मि अदायगी के लिये चम्मच लेने को मजबूर हुये मगर शहर की जनता में महँगाई के बावजूद बर्तनों की खरीददारी में ज्यादा उत्साह देखा गया। सराफा बाजार भी गर्म रहा। सोने चाँदी के सिक्के खरीदने के लिये लोगों का ताँता लगा रहा। उधर जिले के सुमेरपुर, मौदहा, कुरारा और राठ में भी धनतेरस की धूम मची रही। आज धनतेरस को देखते हुये बाजार में अव्यवस्था का बोलबाला रहा। प्रमुख सड़क पर दुकानदारों ने अतिक्रमण कर दुकानें सजा रखी थी जिससे खरीददारों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ी। हालाँकि सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने कड़े प्रबन्धक किये थे इसके बावजूद मनचले लोगों की धनतेरस की बाजार में पौ बारह रही।

धनतेरस पर बाजारों में रौनक, एक करोड़ की बिक्री का अनुमानधनतेरस पर्व पर सुमेरपुर कस्बे का बाजार जमकर चमका। ज्वेलरी, रेडीमेड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल,बाइक आदि की जमकर बिक्री हुई। कस्बे के बाजार में एक करोड़ की बिक्री होने का अनुमान है। धनतेरस पर्व पर बाजार में जमकर भीड़ उमड़ी। सारा दिन बाजार ग्राहकों से गुलजार रहा। जीएसटी की दरों में कमी आने पर ज्वेलरी, रेडीमेड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल,बाइक आदि खरीदने के लिए दुकानों में भीड़ लगी रही। बाजार में एक करोड़ की बिक्री का अनुमान है। ग्राहकों की भीड़ देखकर दुकानदार भी खुश नजर आए।

त्योहारों पर प्रयागराज मंडल की बड़ी तैयारी,यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा के लिए 276 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

प्रयागराज। त्योहारों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल ने व्यापक तैयारियाँ की हैं ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और सुचारू यात्रा अनुभव मिल सके।

जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मंडल से नियमित ट्रेनों के अलावा कुल 276 स्पेशल ट्रेनों का संचालन विभिन्न दिशाओं – बिहार, कोलकाता, हावड़ा, लखनऊ, उदयपुर, दिल्ली, जयपुर और भोपाल के लिए किया जा रहा है। इनमें से 14 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें प्रयागराज मंडल से ऑरिजिनेट होंगी। यात्रियों की मांग को देखते हुए अतिरिक्त रेकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है।

-ट्रेन संचालन और वॉर रूम नियंत्रण प्रणाली

त्योहारों के दौरान ट्रेनों के सुचारू संचालन के लिए मंडल कार्यालय में 247 वॉर रूम स्थापित किया गया है। यहाँ से प्रमुख स्टेशनों के प्लेटफॉर्म और परिसरों की भीड़ की रियल-टाइम निगरानी की जा रही है। अधिकारियों को सभी पालियों में तैनात किया गया है, जो रेल मदद पोर्टल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई कर रहे हैं।

दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर दो विवाहिताओं को घर से निकाला

हाथरस। दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने दो सगी बहनों को मार पीटकर घर से निकल दिया। एक बहन ने 16 अक्टूबर को इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। महिला थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

महिला थाना प्रभारी सोनम ने शनिवार को बताया कि सहपऊ थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने मुकदमा दर्ज कराते हुए कहा है कि उसकी व उसकी छोटी बहन की शादी 22 जनवरी 2019 को आगरा के थाना एत्मादपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी दो सगे भाइयों के साथ हुई थी। पीड़िता का कहना है कि उसके पिता ने दोनों बहनों की शादी में करीब 15 लाख रुपए खर्च किए थे। इसके बावजूद ससुरालीजन दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और अतिरिक्त दहेज में अलग-अलग कार की मांग करने लगे। आरोप है कि 8 जुलाई को ससुरालीजनों ने दोनों बहनों को मारपीट कर एक गाड़ी में डालकर मायके में गांव के बाहर छोड़कर चले गए।

वाहन के टच होने से शुरू हुआ विवाद..हमीद अली की मौत पर आकर रुका

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से चौंकाने और दुखद घटना सामने आई है। सहारनपुर के फंदपुरी चौकी क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम हामिद अली (30 वर्ष), खेड़ा अफगान गांव निवासी, जो किराए की पिकअप वैन चलाता था। उसकी मारपीट के दौरान मौत हा गई।

दरअसल हामिद की पिकअप वैन रास्ते में कार सवार युवकों से टच हो गई, जिससे विवाद शुरू हुआ। विवाद के बाद कार सवारों ने अपने साथियों को बुलाया और हामिद का पीछा किया। उन्होंने बेरहमी से उसकी पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। हामिद अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। उसके परिवार में पाँच बेटियां और दो छोटे बेटे हैं।

देवस्थान विभाग के 544 मंदिरों में होगा पंचपर्वा दीपावली महोत्सव

जयपुर! राजस्थान के देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित और नियंत्रित समस्त राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी एवं प्रन्यास प्रबंधित मंदिरों में इस बार दीपावली के अवसर पर पंचपर्वा दीपावली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है! इसके तहत देवस्थान विभाग के अधीन 544 राजकीय मंदिरों में रंगोली निर्माण, प्रकाश एवं लाइटिंग व्यवस्था, दीपोत्सव, महाआरती और भक्ति संध्या, महाभोग एवं प्रसाद वितरण मिटटी के गणेश का पूजन होगा! पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री

जोराराम कुमावत ने इस पंचपर्वा दीपावली का शुभारंभ रविवार को जयपुर के चांदनी चौक स्थित श्री ब्रज निधि जी मंदिर में पूजा-अर्चना करे किया! इस दौरान उन्होंने आसपास के देवस्थान विभाग के मंदिरों की साज-सज्जा का अवलोकन किया! उन्होंने मंदिरों में माकूल व्यवस्थाएं करने के लिए विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया; उन्होंने बताया कि मंदिरों की विशेष सजावट व अन्य धार्मिक कार्यों के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर कुल 8 करोड 10 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है! इसके तहत विभाग के 544 मंदिरों में 24 अक्टूबर तक विभिन्न आयोजन किए जाएंगे!

मंत्री श्री कुमावत ने बताया कि इस बार देवस्थान विभाग के मंदिरों में धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गौवर्धन पूजा व भाई दूज के कार्यक्रमों का आयोजन होगा! इसके तहत सभी मंदिर परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर पुष्प मालाओं से सजावट की गई है! इसके अलावा स्थानीय कलाकारों एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता से मंदिरों में आकर्षक रंगोलियां बनाई गई हैं, जो पारंपरिक और सांस्कतिक सौंदर्य का प्रतीक हैं! इसके साथ ही दीपों एवं विद्युत लाइटिंग से मंदिरों को आलोकित कर संपूर्ण वातावरण दीपोत्सवमय बनाया गया है! मंत्री श्री कुमावत ने बताया कि दीपावली की रात्रि को सभी मंदिरों में विशेष महाआरती का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे एक दीप सबके लिए का संदेश प्रसारित होगा ! इस दौरान मंदिरों में भक्ति संगीत, कीर्तन और सांस्कतिक गतिविधियां भी आयोजित होंगी ! इसके अलावा देव प्रतिमा को विशेष महाभोग अर्पित किया जाएगा, तत्पश्चात श्रद्वालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा! इस बार पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ इस बार मिटटी से निर्मित गणेश एवं लक्ष्मी की प्रतिमाओं का पूजन किया जाएगा!

डिविजन वाइज मंदिरों की संख्या

देवस्थान विभाग के जयपुर प्रथम डिवीजन में 37, जयपुर द्वितीय में 17, अजमेर में 21, उदयपुर में 98, बीकानेर में 100, हनुमानगढ में 21, कोटा में 53, भरतपुर के 57, जोधपुर के 20, ऋषभदेव के 100 तथा वृंदावन डिविजन के 20 मंदिरों में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं!

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शोभा यात्रा का किया आगाज

दीपोत्सव पर साकेत महाविद्यालय से निकली 22 झांकियां

अयोध्या। नौवां दीपोत्सव का शोभा यात्रा के साथ रविवार को आगाज हुआ। शोभा यात्रा का साकेत महाविद्यालय पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर नगर निगम महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक रामचंद्र यादव, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक चंद्रभानु पासवान, पूर्व सांसद लल्लू सिंह व अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। राम कथा पार्क में सीएम योगी आदित्यनाथ शोभा यात्रा का स्वागत करेंगे।

दीपोत्सव न केवल दीपों की जगमगाहट से, बल्कि प्रदेश के विकास और भारतीय संस्कृति की जीवंत झांकियों से भी सजा हुआ है। योगी सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए सूचना विभाग की ओर से 15 आकर्षक झांकियां निकाली गई, जबकि पर्यटन संस्कृति विभाग रामायण के सातों कांडों पर आधारित थीम पर झांकियां प्रस्तुत की। कुल 22 झांकियां साकेत महाविद्यालय में निकली। इसके साथ ही देश के विभिन्न राज्यों की लोक कलाएं और नृत्य दीपोत्सव की शोभा बढ़ा रहे हैं।

संस्कृति विभाग की ओर से रामायण के सात कांडों बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किन्धाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड पर आधारित झांकियां निकाली गई है। ये झांकियां भगवान राम के जीवन और रामायण की शिक्षाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रही हैं।

रामपथ, भक्ति पथ और अन्य प्रमुख स्थानों पर लाखों दीप जलाए जाएंगे, जो विश्व रिकॉर्ड बनाने की दिशा में एक और कदम होगा।

इस आयोजन में स्थानीय लोगों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक भी शामिल होंगे।

गाय के गोबर से मूर्तियां व दिए बना आत्मनिर्भर बन रहे दिव्यांग

महोबा। बुंदेलखंड सोसायटी फॉर रूरल डेवलेपमेंट संस्था के द्वारा अनूठी पहल कर दिव्यांगों के जीवन को जगमग किया जा रहा है । जहां दिव्यांग गाय के गोबर से राम दरबार, आकर्षक दीपक, धूप बत्ती समेत अन्य प्रतिमाओं के साथ साथ अन्य सजावटी सामान तैयार कर रहे हैं।जिससे दिव्यागों को रोजगार मिल रहा है और वह आत्मनिर्भर बन रहे हैं । साथ ही वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दे रहे हैं। संस्था के द्वारा उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बुंदेलखंड सोसायटी फॉर रूरल डेवलेपमेंट

संस्था के प्रबंधक आकाश राय ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि संस्था के द्वारा 20 से अधिक दिव्यांगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शालिनी प्रजापति, प्रीति, इंद्रेश यादव, दिनेश, लवली, दिव्या, मनोज, शिखा, अखिलेश, ऊषा, बबलू, आशीष, श्याम बिहारी, आदि दिव्यांग मिट्टी और गोबर से मूर्तियां व घरेलू सजावटी सामान तैयार कर रहे हैं। जहां गाय के गोबर से राम दरबार, लक्ष्मी गणेश, शंकर जी की प्रतिमा मोमेंटो समेत अन्य अद्भुत प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। बताया कि दीपक बनाने के लिए गौशाला से गोबर लाते हैं। फिर उसमें प्रीमिक्स मिलाया जाता है जो कि इमली के बीज और मैदा लकड़ी का पाउडर होता है। मुल्तानी मिट्टी का मिश्रण कर धूप में सुखाकर उसमें रंग भरा जाता है। बाद में बत्ती लगाकर जैल भरकर दीपक की पैकिंग करते हैं। इसके साथ ही प्रतिमाएं सांचे के माध्यम से तैयार की जाती हैं।

फूलों से बनाते हैं धूपबत्ती

संस्था की प्रशिक्षक दीपशिखा आकाश राय ने बताया कि देवेंद्र प्रजापति के द्वारा दिव्यांगों को दीपक और मूर्तियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बताया कि यह सभी उत्पाद ईको फ्रेंडली हैं।संस्था के द्वारा मंदिरों में देवी देवताओं को अर्पित फूलों को एकत्रित कर उनको सुखाकर पाउडर बनाकर धूपबत्ती बनाने का प्रशिक्षण भी दिव्यागजनों को दिया जाता है। जिससे पानी दूषित नहीं होता है और फूलों का सदुपयोग हो जाता है। और इससे वातावरण भी दूषित नहीं होता है।

ससुराल वालों का खौफनाक कारनामा! पति को खंभे से बांधा – वीडियो वायरल

औरैया । उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के अजीलमल कोतवाली क्षेत्र के जैनपुर गांव में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब ससुराल वालों ने एक युवक को खंभे से बांध दिया और किसी ने इस घटना का वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आते ही पुलिस भी हरकत में आ गई और देर रात गांव पहुंचकर एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी का शांतिभंग में चालान कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया।

वायरल वीडियो में युवक खंभे से बंधा तड़पता दिखाई दे रहा है, जबकि एक व्यक्ति उसे समझा रहा है और कुछ महिलाएं मौके पर मौजूद हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो फैलते ही लोगों में चर्चा का दौर शुरू हो गया।

मुरादगंज चौकी प्रभारी आनंद शर्मा ने बताया कि जैनपुर निवासी छुटकी की शादी करीब 15 साल पहले इटावा जिले के बसरेहर थाना क्षेत्र के खड़कोली गांव निवासी ऊदल सिंह से हुई थी। दोनों ने कोर्ट मैरिज की थी और उनके दो बच्चे भी हैं। करीब नौ साल पहले पति-पत्नी अलग-अलग रहने लगे थे।

शुक्रवार को ऊदल सिंह अचानक अपनी पत्नी से मिलने ससुराल पहुंच गया। बताया जा रहा है कि वहां दोनों में किसी बात को लेकर जबरदस्त झगड़ा हो गया। गुस्से में ससुराल वालों ने ऊदल को पकड़कर खंभे से बांध दिया। किसी ने यह पूरा वाकया मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया।

कोतवाल ललितेश नारायण त्रिपाठी ने बताया कि फिलहाल प्रदीप नामक युवक का शांतिभंग में चालान किया गया है। मामले की जांच जारी है कि आखिर ऊदल को बांधने के पीछे किसकी भूमिका

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है।

रविवार को जारी एक शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व एवं त्योहार शान्ति, एकता व सद्भाव का सन्देश देते हैं एवं सामाजिक सौहार्द में वृद्धि करते हैं। दीपावली का पर्व भारत की सनातन धर्म की परम्परा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त अयोध्या

आगमन और रामराज के शुभारम्भ की स्मृति स्वरूप आज से हजारों वर्ष पहले पूरे भरतखण्ड में श्रद्धालुओं द्वारा दीपमालाओं से अपने-अपने घरों को सजा करके इस पर्व को मनाना प्रारम्भ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मस्थली अयोध्या उत्तर प्रदेश में है। राज्य सरकार अयोध्या में दीपावली के आयोजन की प्राचीन और गौरवशाली परम्परा को ह्यदीपोत्सवह्य के आयोजन के माध्यम से पुनर्प्रतिष्ठित कर, सम्पूर्ण विश्व समुदाय को अयोध्या की महिमा से परिचित कराने का कार्य कर रही है।------------

भूपेन्द्र चौधरी व धर्मपाल सिंह ने दी दीपावली की शुभकामनाएं

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाओं के साथ लोकमंगल की कामना की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली पर्व पर मयार्दा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन का हर्ष का उत्सव तथा श्री गणेश जी, मां लक्ष्मी, मां शारदा के पूजन पर्व पर प्रदेशवासियों को मनोवांछित प्राप्ति की मंगलकामना के साथ अनंत शुभकामनाएं। लोक मंगल की कामना, तिमिर का प्रतिकार और स्वदेशी से आत्मनिर्भर भारत निर्माण का संकल्प लेकर हम सभी हर्षोल्लास व सद्भावना के साथ दीपावली का पर्व मनाएं। हम सभी उत्साह और उमंग के साथ धर्म, सत्य, मयार्दा तथा राष्ट्र धर्म के प्रकाश से प्रदीप्त दीपों को जलाएँ। दीपावली पर्व पर मां लक्ष्मी, मां शारदा तथा प्रथम पूज्य गणेश जी जन-जन को ज्ञान, बुद्धि तथा समृद्धि से परिपूर्ण करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी से आत्मनिर्भरता निर्माण के संकल्प को सिद्धी प्रदान करें।

मुरादाबाद जनपद में छह स्थानों पर आतिशबाजी की बिक्री शुरू

मुरादाबाद। मुरादाबाद जनपद में शनिवार को छह स्थानों पर आतिशबाजी की दुकानों में बिक्री शुरू हो गई। जो 20 अक्टूबर तक जारी रहेगी। दुकानें सजने के बाद अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण किया और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने की व्यवस्थाओं को परखा।

स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के दरबार में दूसरे दिन भी श्रद्धालु खजाना पाने के लिए उमड़े

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में रविवार को स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दरबार में दूसरे दिन भी दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। मंदिर में मंगला आरती के बाद भक्तों के लिए मां अन्नपूर्णा का कपाट खुला तो भक्त दर्शन संग खजाना पाकर निहाल हो गए। दरबार में अलसुबह से ही दर्शन पूजन का सिलसिला अनवरत चल रहा है।

मंदिर के मंहत शंकर पुरी महाराज सहयोगियों के साथ श्रद्धालुओं में प्रसाद स्वरूप खजाना वितरण करते रहे। धनतेरस पर्व से ही शुरू दर्शन पूजन का सिलसिला अन्नकूट महोत्सव तक चलता रहेगा। मंदिर प्रबंधन के अनुसार स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के दरबार में मां के विग्रह का अर्चक और ब्राह्मणों ने सविधि पूजन किया। इसके बाद

महंत शंकर पुरी ने माता रानी की मंगला आरती की।

काशी में मान्यता है कि काशीपुराधिपति महादेव ने भी माता अन्नपूर्णा से अपने भक्तों का भरण पोषण के लिए भिक्षा मांगी थी। लोगों में विश्वास है कि अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी प्रतिमा के दर्शन के बाद इस खजाना रूपी प्रसाद को अपने तिजोरी या अन्न भंडार में रखने से पूरे साल उसपर मां अन्नपूर्णा की कृपा होती है और उसके घर अन्न धन धान्य की कभी कमी नहीं होती। मंदिर में उमड़ रही भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

मंदिर में बने कंट्रोल रूम से व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। मंदिर में बने चिकित्सा शिविर में बीमार होने वाले भक्तों को दवा दिया जा रहा है। मंदिर के सेवादार व्यवस्था में सहयोग के साथ दिव्यांग बुजुर्ग लोगों को दर्शन पूजन में पूरा सहयोग दे रहे है।

मंदिर के प्रबंधक काशी मिश्रा के अनुसार मां के स्वर्णिम प्रतिमा का दर्शन पूजन रात 11 बजे तक होता है। वर्ष में चार-पच दिन के लिए ही माता के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होते हैं। इस बार पॉच दिन तक होगा। इसके बाद माता के स्वर्णमयी विग्रह के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। उधर, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थित मां अन्नपूर्णा के मूल विग्रह के साथ ही बड़ी प्रतिमा भी स्वर्णजड़ित करा दी गई। यह विग्रह 108 साल तक कनाडा के एक संग्रहालय में संरक्षित था जो बाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित किया गया। अब मंदिर को भी शिखर भी स्वर्ण का हो गया है। यहां भी श्रद्धालु पूरे आस्था के साथ दर्शन पूजन कर रहे है।

सनसनीखेज हत्याकांड : हरदोई में दोस्तों ने ही कर दी दोस्त की हत्या – तीन गिरफ्तार, तीन फरार

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के मझिला थाना क्षेत्र के बरी गांव से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां 26 वर्षीय उमेश यादव की हत्या उसी के दोस्तों ने कर दी। बताया जा रहा है कि उमेश 26 सितंबर को भैंस चराने के लिए जंगल गया था, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटा। अगले दिन उसका शव जंगल में मिला। शुरूआत में परिवार को लगा कि मौत ज्यादा शराब पीने की वजह से हुई है, क्योंकि शरीर पर कोई बाहरी चोट नजर नहीं आ रही थी। हालांकि, जब पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया, तो रिपोर्ट ने पूरे मामले का रुख बदल दिया। पोस्टमॉर्टम में खुलासा हुआ कि उमेश की मौत सिर पर भारी वार से हुई है, यानी यह एक सुनियोजित हत्या थी। मृतक के परिवार ने 10 अक्टूबर को अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने उमेश के तीन दोस्तों सतीश उर्फ सिपाही, रमेश और प्रदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में तीनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि शराब के नशे में उमेश से बहस हो गई थी, जिसके बाद उन्होंने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को जंगल में छोड़कर भाग गए। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हत्या में तीन और लोग शेरा, ओमप्रकाश और कुलदीप शामिल थे। ये तीनों अभी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। सीओ शाहाबाद ने बताया कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गाजीपुर : गंगा नदी में डूबी तीन लड़कियों में दो की मौत, एक लापता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र स्थित अमवाघाट पर रविवार को गंगा नदी में स्नान के दौरान तीन लड़कियां डूब गई। इनमें दो लड़कियों के शव बाहर निकाले लिए गए हैं जबकि एक लड़की लापता है। जिसकी तलाश जारी है।

सीओ सदर शेखर सेंगर ने बताया कि नरक चतुर्दशी पर्व के चलते रामजनपुर गांव की सात लड़कियां आज सुबह स्नान के लिए लीलापुर अमवाघाट पहुंची। चार लड़कियां तट पर बैठ गई और तीन लड़कियों में पूनम यादव (18), रोली यादव (16) और खुशी यादव (14) गंगा नदी में स्नान करने लगी और गहरे पानी में जाने से तीनों डूब गई। चीखने चिल्लाने पर तट पर बैठी लड़कियों ने मदद के लिए आसपास के लोगों को बुलाया। नदी के किनारे मौजूद नाविक और मल्लाह लड़कियों को बचाने में जुट गए। इसी बीच सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से डूबी लड़कियों की तलाश शुरू कराई। काफी प्रयास के बाद पूनम, रोली के शव नदी से खोज निकले गए। वहीं नदी डूबी खुशी की तलाश जारी है।

सीओ सदर ने बताया कि स्नान के दौरान तीन लड़कियां नदी में डूबी थी। दो लड़कियों की पानी में डूबने से मौत हो गई और एक लड़की की तलाश में टीमें जुटी हैं।

सांसद अनुराग शर्मा ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से बुंदेलखंड के विकास पर की चर्चा

झांसी। झांसी-ललितपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से रविवार को शिष्टाचार भेंट की और उनका आत्मीय आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान बुंदेलखंड के विकास पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात के दौरान सांसद शर्मा ने संगठनात्मक अनुभवों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष से प्रत्येक मुलाकात सदैव ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक होती है, क्योंकि उनसे संगठन की बारीकियों, कार्यप्रणाली और जनसेवा की भावना के बारे में हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है।

सांसद अनुराग शर्मा ने इस अवसर पर बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की। विशेष रूप से उन्होंने बताया कि अध्यक्ष ने बुंदेलखंड को देश की विकास मुख्यधारा से और अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने हेतु कई व्यावहारिक सुझाव दिए, जो इस क्षेत्र की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे।

सांसद ने कहा - "अध्यक्ष के प्रेरक मार्गदर्शन और स्नेहपूर्ण सहयोग के लिए मैं हृदय से आभारी हूं। उनका अनुभव और दृष्टिकोण हमें निरंतर राष्ट्र सेवा और संगठन सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।"

रेल मदद ऐप से यात्रियों की समस्या का होगा समाधान, मिलेगी सुविधा : डीआरएम

दीपावली व छठ पर झांसी रेल मंडल की विशेष तैयारियां : 46 विशेष गाड़ियां संचालित

झांसी। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी रेल मंडल ने दीपावली और छठ पर्व पर रेल यात्रियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर सुरक्षित और सहज यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की है। अमावस्या पर चित्रकूट धाम दर्शन के लिए भी यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ियों को संचालित किया जा रहा है। किसी भी समस्या या सुविधा के लिए रेल मदद एप की मदद लें। यही नहीं स्टेशन पर 24 घंटे संचालित वॉर रूम हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। यह जानकारी मंडल रेल प्रबंधक झांसी रेल मंडल अनिरुद्ध कुमार ने रविवार को दी।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में झांसी रेल मंडल प्रबंधक (डीआरएम) ने कहा कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए जीआरपी और आरपीएफ के साथ-साथ सिविल पुलिस भी काफी सहयोग दे रही है। झांसी मंडल से आमतौर पर रोजाना 150 ट्रेन गुजरती हैं लेकिन त्योहारों को देखते हुए इनके साथ ही प्रतिदिन 46 स्पेशल ट्रेनों को चलाया जा रहा है। इतना ही नहीं जनता की विशेष मांग कर पर औसतन 20 से 22 ट्रेन पिछले एक सप्ताह से चल रही है जिनमें से 7 ट्रेनें झांसी मंडल से

चलाई जा रही है। झांसी स्टेशन से 6 और एक ग्वालियर से एक ट्रेन चलाई जा रही है। मंडल के प्रमुख स्टेशनों झांसी, चित्रकूट, मुरैना और ग्वालियर पर यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर की स्थापना की गई है और इसके अलावा कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी लगाए गए हैं।

पर्व के दौरान ट्रेनों में पटाखे और किसी ज्वलनशील पदार्थ को लेकर कोई यात्री ना चले इसकी पूरी व्यवस्था की जा रही है और इसको सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ और जीआरपी मिलकर काम कर रहे हैं।

डीआरएम ने बताया कि झांसी मंडल के मंडल कार्यालय पर एक वार रूम बनाया गया है, जो 24 घंटे कार्यरत है। इस बार रूम में झांसी के अलावा चित्रकूट और ग्वालियर के स्टेशनों की भी फोटो लगातार प्रसारित हो रही हैं, ताकि वार रूम में मौजूद अधिकारी और पर्यवेक्षक हर स्टेशन पर व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए रख सके। उन्होंने बताया कि यात्रियों की आवक पर व्यवस्था तथा यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए झांसी और ग्वालियर के रेलवे स्टेशनों पर भी वार रूम बनाए गए हैं।

देश का दर्पण
जयपुर, सोमवार
20.10.2025

मौसम बदलते ही क्या चेंज कर देना चाहिए परफ्यूम जानें

परफ्युम लगाना बहुत से लोगों को काफी पसंद होता है. ये एक पॉजिटिविटी लाता है और कॉन्फिडेंस को बढ़ाता है. लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि मौसम के साथ ही परफ्युम भी बदलना चाहिए. चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं इसके पीछे का कारण.

मौसम बदलने के साथ हम अपनी लाइफस्टाइल में कई चेंजिस लाते हैं. कपड़े पहनने के तरीके से लेकर खान-पान और स्किनकेयर रूटीन भी सब कुछ बदल जाता है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि परफ्यूम को भी मौसम के हिसाब से बदलना होता है? वैसे तो आमतौर पर लोग परफ्यूम को सिर्फ खुशबू के लिए इस्तेमाल करते हैं. लेकिन जैसे मौसम बदलता है हमारी स्किन के टेक्सचर, केमिस्ट्री, नेचर आ पसीना आना का तरीका भी बदल जाता है. इसका सीधा असर फ्रेगरेंस के स्टे पर पड़ता है.

गर्मी के मौसम में जहां लाइट, फ्रेश और साइट्रस बेस्ड खुशबू ज्यादा पसंद की जाती है. वहीं, ठंड के मौसम में वुडी या मस्की फ्रेगरेंस ज्यादा अच्छा स्टे देती है. यही वजह है कि परफ्युम के कई बड़े ब्रांड अपने कलेक्शन में सीजनल फ्रेगरेंस भी एड कर रहे हैं. तो चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि मौसम के हिसाब से परफ्युम क्यों चेंज करना चाहिए और रिसर्च इस पर क्या कहती है.मौसम के अनुसार परफ्यूम बदलना क्यों जरूरी है?

किसी भी परफ्युम के असर में टेमप्रेटर इंपोर्टेंट रोल प्ले करता है. हीट उसकी तीव्रता को बढ़ाती है, जिससे उसकी खुशबू और भी तेज लगती है. जबकि ठंडी हवा इसकी महद को दबा देती है. इसलिए ठंडे मौसम में गहरे और रिच नोट्स वाले परफ्युम ज्यादा असरदार होता हैं. अगर आप हर मौसम में एक ही परफ्युम यूज करेंगे तो नोज ब्लाइंडनेस यानी खुशबू की आदत पड़ने का खतरा रहता है. क्योंकि परफ्युम की खुशबू मूड, स्टाइल और पर्सनालिटी पर खास प्रभाव डालती है. ऐसे में अलग-अलग मौसम में अलग-अलग फ्रेगरेंस ट्राई करनी चाहिए.

परफ्यूम बदलने के पीछे क्या है कारण?

मौसम बदलने के साथ परफ्युम चेंज करने की वजह है शरीर का तापमान. क्योंकि गर्मी में शरीर गर्म रहता है और ऐसे में खुशबू भी तेजी से फैलती है. यही कारण है कि परफ्युम को पल्स प्वाइंट्स जैसे कलाई और गर्दन पर लगाता जाता है. लेकिन सर्दियों में शरीर का तापमान ठंडा रहता है इसलिए परफ्युम की खुशबू हल्की लगती है. यही वजह है कि गर्मियों में हल्की और फ्रेश फ्रेंगरेस और सर्दियों में गहरी वुडी या मस्की फ्रेगरेंस सही मानी जाती है.

किस मौसम के लिए कौन सा परफ्युम है सही?

गर्मी के मौसम के लिए हमेशा लाइट, फ्रेश और परफ्युम चुनने चाहिए. ये गर्मी में फ्रेश फील करवाते हैं और खुशबू में एक ताजगी मिलती है. वहीं, सर्दियों के मौसम में वुडी और स्ट्रॉन्ग परफ्युम ज्यादा देर तक टिके रहते हैं. इसके लिए ओरिएंटल, गोरमैंड, वेनिला, एम्बर और ऊद अच्छे ऑप्शन है.

ओडिशा के हथकरघे व बुनकरों की आजीविका

हाल ही में मैंने ओडिशा में कुछ बुनकर समुदाय के लोगों से मुलाकात की

गांवों में कृषि के साथ कई तरह के छोटे-छोटे रोजगार हुआ करते थे। लकड़ी और लोहे के खेती के औजार बनाना, लकड़ी के घर बनाना, खपरैल व मिट्टी के घर बनाना, मिट्टी व बांस के बर्तन बनाना, तेल व गुड़ बनाने का काम इत्यादि। इन सभी कामों को करने वाले कारीगर काफी हुनरमंद थे और कुछ अब भी हैं। इसमें बहुत से लोगों की आजीविका जुड़ी रहती थी।

हाल ही में मैंने ओडिशा में कुछ बुनकर समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उनके काम को देखा, उनकी समस्याएं सुनीं, और उनके काम की चुनौतियों के बारे में जानने की कोशिश की। आज इस साप्ताहिक कॉलम में इस पर ही चर्चा करना चाहूंगा।हमारे गांवों में कृषि के साथ कई तरह के छोटे-छोटे रोजगार हुआ करते थे। लकड़ी और लोहे के खेती के औजार बनाना, लकड़ी के घर बनाना, खपरैल व मिट्टी के घर बनाना, मिट्टी व बांस के बर्तन बनाना, तेल व गुड़ बनाने का काम इत्यादि। इन सभी कामों को करने वाले कारीगर काफी हुनरमंद थे और कुछ अब भी हैं। इसमें बहुत से लोगों की आजीविका जुड़ी रहती थी।

कुछ समय पहले तक देश में हथकरघे का काम खेती-किसानी के बाद रोजगार का सबसे महत्वपूर्ण हुआ करता था पर कई कारणों से इसमें कमी आई है। लेकिन इसके बावजूद भी यह ऐसा महत्वपूर्ण हुनर व कौशल है, जिसकी बाजार में काफी मांग है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण संबलपुरी साड़ियां हैं, जिनकी बाजार में मांग है। जो लोग हाथ के काम, सफाई, डिजाइन का महत्व समझते हैं, वे हथकरघे से बने कपड़े ही पसंद करते हैं। इसका अनुभव मुझे ओडिशा के बुनकरों से बात करते हुए हुआ।

मैंने यहां बरगढ़ के पास दो गांवों के बुनकरों से बात की। उनके घर गया, और उनकी दुख-सुख की कहानियां सुनीं। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले तक संबलपुरी साड़ियों का बाजार काफी सिमटा हुआ था और यह ओडिशा व छत्तीसगढ़ तक ही सीमित था। लेकिन अब पूरे देश में इसकी मांग है, और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ही इसे पसंद किया जाता है।

कांटापाली गांव, बरगढ़ शहर से 7-8 किलोमीटर दूर है। यहां बुनकरी के अलावा कांसे व पीतल का काम भी होता है। लेकिन यहां मैं संबलपुरी साड़ियां बनाने वाले बुनकरों की बात ही करना चाहूंगा। यहां मैं एक युवा बुनकर घनश्याम मिहिर से मिला। वे हथकरघे पर साड़ी बना रहे थे। उन्होंने बताया कि वे यह काम 10 साल से कर रहे हैं, और उन्होंने यह उनके पिता से सीखा है। इस काम को परिवार के लोग मिलकर करते हैं। उनके परिवार में 5 सदस्य हैं।

इस गांव में करीब 40 से ज्यादा परिवार है। सभी लोग बुनकरी से जुड़े हुए हैं।

इसी प्रकार, यहां के मोहन मिहिर का पूरा परिवार इस काम में लगा है। उनके एक बेटे अनंत ने सीमेंट फैक्ट्री में कुछ समय काम किया था, लेकिन उसे वह काम रास नहीं आया। लेकिन जब उन्होंने संबलपुरी साड़ियां बनाने का काम संभाला तो उन्हें यह बहुत अच्छा लगा। उनका छोटा भाई भी इसी काम में जुड़ गया। अब परिवार के सभी 5 सदस्य इस काम में लगे हैं।इसी प्रकार, मैंने सरकंडा गांव का दौरा किया। यहां के बुनकरों से मिला। यहां दो तरह से काम होता है। एक वे बुनकर हैं, जो सूत खरीदकर खुद साड़ियां बनाते हैं और दूसरे बुनकर वे हैं, जो मजदूरी से साड़ियां बनाते हैं, उन्हें सूत देकर कोई व्यापारी साड़ियां बनवाते हैं। यहां भी बड़ी संख्या में बुनकर हैं और आत्मनिर्भर हैं। यहां से सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र मिहिर बताते हैं

कि कुछ समय पहले तक बुनकरों की स्थिति उतनी अच्छी नहीं थी, क्योंकि इनका बाजार सीमित था। अब बाजार काफी फैल गया है। संबलपुरी साड़ियों की मांग देश भर में हो गई है, इसलिए बुनकरों की आजीविका भी अच्छी खासी चल रही है।यहां संबलपुरी साड़ियां बंध तकनीक से बनाई जाती हैं। कारीगर धागों को विशेष पैटर्न में बांधते हैं। यह बांधा, रंग के उस हिस्से में बांध दिया जाता है, जिस पर रंग नहीं लगाना है। उसे बाद में दूसरे रंग से रंगा जाता है। यह जटिल प्रक्रिया है, और यह विशेष सावधानी व हुनर की जरूरत होती है। इस तरह रंगीन साड़ियां बनाई जाती है। रेशम व सूती दोनों तरह की साड़ियां बनाई जाती हैं।ओडिशा में कई ऐसे गांव हैं, जिसमें हथकरघे पर बुनकरी का काम होता है। सामाजिक कार्यकर्ता व किसान नेता लिंगराज का कहना है कि हमें खेती के साथ इन पारंपरिक हस्तकला को भी बचाना जरूरी है। यह न केवल हमारी पारंपरिक धरोहर है,बल्कि इससे बड़ी आबादी की आजीविका भी जुड़ी हुई है। आज खेती भी संकट में है, इसीलिए इस ओर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।हम सब जानते हैं कि हथकरघा को गांधी जी ने स्वतंत्रता की लड़ाई से जोड़ा था। आत्मनिर्भर व स्वावलंबी से जोड़ा था।

गांधी जी ने चरखा को काफी महत्व दिया था। इस परिप्रेक्ष्य में गांधी जी सोच बारे में प्रासंगिक है। वे गांवों को स्वावलंबी बनाना चाहते थे। लेकिन अंग्रेजी राज के दिनों में भी हथकरघा बुनकरों के कार्य को बहुत क्षति पहुंचाई गई क्योंकि विदेशी सरकार ने अपने कारखानों में बने सामानों की बिक्री करवाने की और स्थानीय दस्तकारों व बुनकरों की तबाही की नीतियां अपनाई।इसके पहले भारतीय कारीगरों और दस्तकारों की दुनिया में ख्याति थी। आजादी के बाद भी स्वतंत्र भारत में इनकी अनदेखी की गई। जबकि देश में बुनकरी व दस्तकारी में बहुत बड़ा रोजगार था। गांधीजी कहते थे कि नई तकनीक व उत्पाद का प्रसार केवल मुनाफे के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता है। गांधीजी ने सबसे बड़ी कसौटी बताई, वह थी रोजगार की कसौटी। यह सोच आज भी प्रासंगिक हैं।ग्लोबल वार्मिंग और मौसम बदलाव के इस दौर में एक और बात महत्वपूर्ण है कि किसी भी नए उत्पाद व तकनीक का स्वास्थ्य और पर्यावरण पर क्या असर पड़ रहा है। कारखानों में काम करने वाले मजदूरों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी आम बात है। मशीनों के उपयोग से पर्यावरण पर भी उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।इस मद्देनजर हमें अपने हस्तकार, हस्तशिल्प और बुनकरों को बचाना और उनके काम को बचाना जरूरी है।

देश में हाथ का कार्य, हुनर बचा रहे तभी गरीबी और बेरोजगारी दूर होगी। गांव में लोगों को रोजगार उपलब्ध हो, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी की व्यवस्था हो और लोगों को पलायन न करना पड़े। अगर इस दिशा में आगे बढ़ा जाए तो न केवल रोजगार बचेगा बल्कि गांव भी उजड़ने से बचेंगे और देश भी बचेगा।हमें आज ऐसी सोच की जरूरत है जिसमें गरीब, पिछड़े व सबसे कमजोर तबके के लोगों की स्थिति में सुधार हो। खेती-किसानी का संकट दूर हो और परंपरागत रोजगारों को फिर से खड़ा किया जा सके। लेकिन क्या इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

संपादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं।वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नज़रअंदाज कर देते हैं।

गज़ा में शांति की एक और योजना की सफलता संदिग्ध

शांति बेहद नाजुक है, ट्रम्प इम्प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिस्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिस्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है।युद्ध के दो साल गुजरने के साथ आधुनिक युग के रक्तरंजित इतिहास में उत्तरी सीमा के दोनों किनारों पर जश्न मनाया गया क्योंकि अमेरिकी नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था द्वारा फिलिस्तीन पर ऐतिहासिक गज़ा शांति योजना थोपी गई थी। इस योजना के पिछली योजना की तरह मिट्टी में मिलने की संभावना है। इसमें जनवरी समझौता भी शामिल है जिसका इज़रायल ने केवल दो महीने बाद उल्लंघन किया था। सत्ता में बने रहने के लिए इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समझौते को (जिसके केवल पहले चरण के लिए अंतिम रूप दिया गया) नष्ट करने की कोशिश करेंगे क्योंकि इज़रायली सुप्रीम कोर्ट उन्हें पद से हटाने के लिए इंतजार कर रहा है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले चरण की योजना पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि, वे इस बात की गारंटी नहीं दे सकते कि इज़रायल हमास पर फिर से हमला नहीं करेगा। इज़रायल के रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने इज़रायल डिफेन्स फोर्स (आईडीएफ) को शांति योजना का मामला हल होने के बाद हमास के आतंकवादियों का शिकार करने का आदेश दिया है।शांति योजना का पहला चरण पूरा हो चुका है तथा हमास की कैद से जीवित 20 बंधकों को रिहा कर दिया गया है जबकि इज़रायल ने लगभग दो हजार फिलिस्तीनी आतंकवादियों और नागरिकों को मुक्त करने के अपने समझौते को पूरा किया है। 13 अक्टूबर को मिस्र एवं अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से मिस्र के रिसॉर्ट शहर शर्म अल-शेख में आयोजित समारोह में पश्चिमी दुनिया के साथ-साथ इस क्षेत्र के लगभग बीस विश्व नेता अमेरिकी राष्ट्रपति की सराहना करने के लिए एकत्र हुए। इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया जिन्होंने शांति के लिए अथक प्रयासों के लिए ट्रम्प को यह पुरस्कार समर्पित किया। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए मचाडो के नाम पर उंगलिया उठ रही हैं क्योंकि मचाडो ने न केवल गज़ा में नेतन्याहू के नरसंहार कार्यों का समर्थन किया बल्कि वेनेज़ुएला में लोकतंत्र वापस लाने की आड़ में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से लड़ने के लिए समर्थन भी मांगा है।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गज़ा पर प्रशासन करने के लिए अधिकृत संयुक्त राष्ट्र और कथित तौर पर वेस्ट बैंक पर शासन कर रहे फिलिस्तीन प्राधिकरण से शांति योजना पर किसी भी तरह से परामर्श नहीं किया गया। उदाहरण के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष नवी पिल्ले ने दावा किया कि फिलिस्तीन इस योजना का एक पक्ष नहीं था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग वह निकाय है जिसने इज़रायल को नरसंहार के लिए जिम्मेदार पाया था। बाद में दक्षिण अफ्रीका इस मामले को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया था।हमास के निरस्त्रीकरण और गज़ा के भविष्य के शासन से निपटने वाली योजना का दूसरा चरण अधर में लटका हुआ है क्योंकि हमास योजना के बाद के चरणों के लिए सहमत नहीं हुआ है। हमास का यह कदम नेतन्याहू के नेतृत्व वाली धुर दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के लिए उपयुक्त है क्योंकि वह आगामी सभी समस्याओं के लिए हमास की हठधर्मिता की ओर अंगुली दिखाएगा। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि गुरिल्लाओं ने सभी बाधाओं का सामना किया है और अरब ब्लॉक के भीतर अपनी छवि के अलावा बड़े पैमाने पर लोगों व हथियारों को खो दिया है। जिन लोगों के पास रहने के लिए जगह नहीं है, जिनके पास रहने के लिए घर नहीं थे, जहां 67 हजार से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई, महिलाओं और बच्चों की हत्याएं कर दी गई, कई अपंग हो गए, बलात्कार किया गया और उन्हें भूखा मार डाला गया। अस्पतालों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों पर बमबारी की गई, भोजन व चिकित्सा आपूर्ति को हथियारों से उड़ा दिया गया, आखिरकार उनके पास क्या विकल्प हो सकते थे?

उपनिवेशवाद से मुक्ति के प्रणेता द रेच ऑफ द अर्थ के लेखक फ्रांज़ फ़ैनन कहते हैं- उपनिवेशवाद से मुक्ति वास्तव में नवनिर्माण है लेकिन इस रचना की वैधता का श्रेय किसी भी अलौकिक शक्ति को नहीं है; जिस चीज को उपनिवेश बनाया गया है, वह उसी प्रक्रिया के दौरान मजबूत हो जाता है जिसके द्वारा वह खुद को मुक्त करता है।% हमास ने फिलिस्तीनी लोगों के अपने लिए, अपने आत्मनिर्णय और संप्रभुता के लिए बोलने के अधिकार का आत्मसमर्पण करना उचित नहीं समझा है। गज़ा पर शासन करने की हमास की वैधता 2006 के चुनावों में मिले जनादेश से प्राप्त होती है इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अब फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने की मांग करने वाली पश्चिमी शक्तियां इसे एक आतंकवादी समूह के रूप में मानती हैं या नहीं।पीएम मोदी ने 9 अक्टूबर को पीएम नेतन्याहू और राष्ट्रपति ट्रम्प दोनों को कई बार बधाइयां दीं लेकिन दिल्ली की राजनीतिक सोच में स्पष्ट रूप से गज़ा या हमास अनुपस्थित रहा है। यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि भारत ने अब तक हमास को आतंकवादी समूह घोषित नहीं किया है। फिर, सार्वजनिक स्थान पर गज़ा का उल्लेख या नागरिक समाज की बातचीत में खतरे की घंटी क्यों बजती है? यह ध्यान देने वाली बात है कि 1974 में पीएलओ को मान्यता देने वाले पहले गैर-अरब देशों में से भारत एक था। उसने 1998 में फिलिस्तीन को एक सम्प्रभु देश के रूप में मान्यता दी थी और 1946 में संयुक्त राष्ट्र में आत्मनिर्णय और रंग-भेद के उन्मूलन के मुद्दे को उठाने के लिए गुटनिरपेक्ष समूह कानेता रहा था।

नवंबर, 1938 में हरिजन में गांधीजी ने लिखा था, यहुदियों के प्रति मेरी सहानुभूति मुझे न्याय की आवश्यकताओं के प्रति अंधा नहीं करती है। यहूदियों को अरबों पर थोपना गलत और अमानवीय है।% भारत ने 1947 की संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना के आधार पर तैयार संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 का विरोध किया था। इज़रायल के नरसंहार कार्यों की आलोचना करने और गज़ा में तत्काल युद्धविराम के प्रस्ताव को वीटो करने वाले कई प्रस्तावों के संदर्भ में 153 सदस्य देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र के पटल पर %द्वि-राष्ट्र सिद्धांत% के समर्थन में इसकी तुलना भारत के मतदान के वर्तमान पैटर्न से करें तो यह दिल्ली के लिए एक असुविधाजनक प्रस्ताव रहा है। जब %फिलिस्तीन% सार्वजनिक चर्चा में निषिद्ध हो गया है तो यह स्थिति इतिहास और फिलिस्तीनी मुद्दे के लिए भारत के समर्थन की लंबी परंपरा को नकारने के समान है।

ट्रम्प शांति योजना, हमास के लिए आत्मसमर्पण का एक चतुराई से हेर-फेर की गई योजना है जो फिलिस्तीनी स्वायत्तता के लिए अभी या भविष्य में किसी भी प्रकार की और न ही संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण में इसकी भागीदारी के लिए कोई गुंजाइश छोड़ता है। योजना की अस्पष्टता के लिए इसकी आलोचना की गई है और यह वैश्विक नियम-आधारित गिरोह द्वारा वैश्विक पूंजीवाद की मिलीभगत के साथ दूर-दराज़ ईवैन्जलिज़्म और ज़ायोनी समर्थन (ज़ायोनीवाद एक राष्ट्रवादी आंदोलन है जो यहूदियों के लिए उनकी ऐतिहासिक मातृभूमि, इज़रायल में एक यहूदी राज्य की स्थापना और उसके अस्तित्व का समर्थन करता है) के वैचारिक पोषण के साथ ऊपर से नीचे थोपना है। इस प्रकार शांति शिखर सम्मेलन और गज़ा की निकटवर्ती परिधि से आईडीएफ की वापसी के तुरंत बाद इजरायली जेल से रिहा किए गए आतंकवादियों ने सार्वजनिक रूप से कई तथाकथित काफिरों का कत्लेआम कर दिया है। इन घटनाओं के बाद खाद्य सहायता रोक दिए जाने के कारण गज़ा इलाके में फिर से अराजकता का माहौल है।

शांति बेहद नाजुक है, ट्रम्प इम्प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिस्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिस्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। इजरायल पर 7 अक्टूबर, 2023 को किए गए हमास के हमले के अन्यायपूर्ण प्रतिशोध के रूप में अत्याचार हुए हैं।

दिल्ली मेट्रो का जनता को दीवाली तोहफा - पिंक, मैजेंटा और ग्रे लाइनों पर सेवाएं सुबह 6 बजे से

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएसआरसी) ने त्योहारों में प्रदेश की जनता को एक खास तोहफा दिया है। दिवाली में लोगों की यात्रा को और आसान बनाने के लिए डीएसआरसी ने मेट्रो ट्रेनों के समय में विशेष बदलाव की घोषणा की है। डीएसआरसी ने सोशल मीडिया एक्स पर आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि दिवाली की पूर्व संध्या पर यानी 19 अक्टूबर (रविवार) को पिंक, मैजेंटा और ग्रे लाइनों पर मेट्रो ट्रेन सेवाएं सुबह 7 बजे के स्थान पर सुबह 6 बजे से शुरू होंगी। वहीं, दिवाली के दिन 20 अक्टूबर (सोमवार) को आखिरी मेट्रो ट्रेन सेवा एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से रात 10 बजे तक ही मिलेगी। सामान्य दिनों में यह सेवा रात 11 बजे तक चलती है। दिवाली के दिन बाकी समय मेट्रो ट्रेन सेवाएं सभी लाइनों पर नियमित समय से सामान्य रूप से चलेंगी। डीएसआरसी ने लोगों से अपील की है कि त्योहार के दौरान सार्वजनिक परिवहन का अधिकतम उपयोग करें, ताकि दिल्ली की सड़कें कम अवरुद्ध रहें और हवा साफ रहे। इस बदलाव के कारण से सड़कों पर जाम से भी राहत की उम्मीद जताई जा रही है।

राजीव गांधी ने 1977 के बोइंग सौदे को प्रभावित किया था : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली । भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर 1977 में इंडियन एयरलाइंस के विमान खरीद मामले में अनुचित प्रभाव डालने का आरोप लगाया कि उन्होंने प्रमुख सरकारी निकायों के विरोध के बावजूद, एयरबस को चुनने के बजाय व्यक्तिगत कमीशन के लिए बोइंग के साथ सौदा कराने में हस्तक्षेप किया।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, दुबे ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और उनके पिता की कथित संलिप्तता पर सवाल उठाया। 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷राहुल गांधी जी, क्या 1977 में कमीशन के चक्कर में आपके पिता ने एयरबस की बजाय एयर इंडिया से तीन बोइंग विमान खरीदवाए थे? क्या आपके पिता बिना किसी अधिकार के अवैध रूप से बैठकों में शामिल होते थे? क्या कमीशन के लिए योजना आयोग और वित्त मंत्रालय का विरोध आपके परिवार पर लागू नहीं होता था? यह विवाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में आपातकाल के अंतिम महीनों में शुरू हुआ था, जब इंडियन एयरलाइंस ने तीन बोइंग 737 विमान खरीदने का फैसला किया था।

संसद भवन से 200 मीटर दूर सांसदों के स्टाफ क्वार्टर में लगी आग

नई दिल्ली। संसद भवन से करीब 200 मीटर दूर स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में दोपहर आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिशें जारी हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर लगी। इलाके में घना धुआं फैल गया, जिसके कारण लोगों को बाहर निकलने में दिक्कत हुई। स्थानीय निवासियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में रहने वाले विनोद ने बताया, ÷मेरा कुत्ता अंदर फँस गया था। मेरी बेटी की शादी कुछ ही महीनों में होने वाली है, और हमने जो भी गहने, सोना और कपड़े खरीदे थे, वे भी अंदर ही हैं। मेरी पत्नी और बच्चा आग की चपेट में आ गए हैं, दोनों अस्पताल में भर्ती हैं। हमें अभी तक यह नहीं पता कि आग कैसे लगी। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि आग पर जल्द काबू पा लिया जाएगा। राहत और बचाव कार्य जारी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

बिहार की जनता को विकास चाहिए, जंगलराज कभी नहीं लौट सकता: प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली । भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का खुलकर समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब भारत नक्सलवाद और माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने बिल्कुल सही बात कही है। पहले माओवादी आतंकवाद का बोलबाला था, लेकिन मोदी सरकार ने इस पर कड़ी लगाम लगाई है।आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी घटनाएं बहुत अधिक होती थीं और माओवादी घटनाओं का सिलसिला चलता रहता था, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह द्वारा चलाए गए अभियानों के कारण अब माओवादी और आतंकवादी खुद सरेंडर कर रहे हैं। राजद की ओर से बिहार चुनाव को लेकर हुए टिकट बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ठीक ही इशारा किया है कि राजद उम्मीदवारों की सूची में शहाबुद्दीन के बेटे का नाम शामिल है। विपक्ष के लोग कभी बिहार का भला नहीं कर सकते। उनके राज में पहले भी गुंडागर्दी का माहौल था और वे अब भी वैसा ही वातावरण बनाना चाहते हैं। लेकिन बिहार की जनता समझदार है। वह विकास को वोट देगी, न कि गुंडागर्दी करने वालों को। उन्होंने कांग्रेस-राजद सहयोगी दलों को 'ठगबंधन' करार देते हुए कहा कि अपराधियों को टिकट देना उनकी मजबूरी है। वे अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए हैं।

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया-मारवाड़ जंक्शन ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया से मारवाड़ जंक्शन तक 72 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को मंजूरी प्रदान की है। रेल मंत्रालय ने ी एक बयान जारी कर कहा कि इस स्वीकृति के बाद जोधपुर और बीकानेर से होकर चित्तौड़गढ़ और उदयपुर तक सीधी रेल संपर्क की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। नई रेल लाइन के निर्माण से यात्रा का समय और दूरी दोनों में कमी आएगी तथा यात्री और मालगाड़ियों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी।

बयान में कहा गया है कि यह रेल लिंक राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों के बीच कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेगा, जिससे उन क्षेत्रों तक आधुनिक रेल सेवाएं पहुंच सकेंगी जहां अब तक सुविधाएं सीमित थीं। इस परियोजना से देवगढ़ मदारिया क्षेत्र के किसानों को भी बड़ा

लाभ होगा, क्योंकि उनकी फसलें–विशेषकर फल और सब्जियां–अब मारवाड़ क्षेत्र के नए बाजारों तक आसानी से पहुंच सकेंगी। नई लाइन से मारवाड़ क्षेत्र में तेज गति की ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। यह विकास कार्य दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआईसी) के रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप है और विशेष रूप से जोधपुर-पाली औद्योगिक क्षेत्र के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, जो पश्चिमी भारत में एक उभरता हुआ औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब है। बेहतर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर से आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा औद्योगिक केंद्रों को देश के प्रमुख बंदरगाहों और बाजारों से अधिक कुशलता से जोड़ा जा सकेगा। पर्यटन के क्षेत्र में भी इस परियोजना से बड़ा लाभ होने की संभावना है। इस मार्ग से कुंभलगढ़ किला, चारभुजा मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर (कंकरोली) जैसे प्रसिद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों तक रेल से पहुंच और आसान हो जाएगी। इससे पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा।

क्षेत्र में संगमरमर, ग्रेनाइट और सीमेंट उद्योगों को भी रेलवे के मिशन तीन हजार एमटी के तहत माल ढुलाई क्षमता बढ़ने से बड़ा फायदा होगा। कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई तेज, विश्वसनीय और किफायती बनने से औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इसके साथ ही 969 करोड़ रुपये की लागत से चल रही 82 किलोमीटर लंबी नाथद्वारा-देवगढ़ मदारिया ब्रॉड गेज परिवर्तन परियोजना भी सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। यह परियोजना भील, गरासिया और सहारिया जनजातीय समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित कर उनके जीवन स्तर में सुधार लाएगी।

रेलवे ने गरीब रथ एक्सप्रेसमें आग की घटना के दिए जांच के आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के सरहिंद स्टेशन के पास आग की चपेट में आई अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस को हादसे के बाद सुबह करीब 11 बजे अंबाला कैंट स्टेशन लाया गया। जहां ट्रेन के 3 कोच बदलने के बाद यात्रियों को रवाना किया गया। ट्रेन में आग लगने के कारण करीब छह घंटे तक यात्री परेशान रहे। इस बीच रेलवे ने हादसे की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। सरहिंद के पास आग लगने की घटना के बाद रेलवे की तरफ से चंडीगढ़ व अंबाला में सूचना दी गई। जिसके चलते चंडीगढ़ से तीन कोच मंगवाए गए। इस बीच हादसे का शिकार हुई यात्री गाड़ी अंबाला कैंट पहुंची। जहां अधिकारियों की मौजूदगी में आग के कारण नष्ट हुए तीन कोच बदले गए। इसके बाद यात्रियों को दोबारा उनकी सीटों पर भेजा गया। पंजाब में हुए इस हादसे के कारण मेन लाइन प्रभावित हुई। इससे गुरमुखी एक्सप्रेस, अमृतसर शताब्दी, सचखंड एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें लेट चल रही हैं। गरीबरथ एक्सप्रेस भी अपने तय समय से करीब 6 घंटे लेट है। इस घटना का असर कई अन्य ट्रेनों पर भी पड़ा है।

अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस, गुरमुखी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, दिल्ली इंटरसिटी, जालंधर इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के संचालन में देरी हुई है। अंबाला मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद भाटिया ने बताया कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ट्रैक को सुचारू कर दिया गया है।

दिल्ली में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत, 500 से अधिक जीवीपी स्थलों पर होगा निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने राजधानी की सड़कों और गलियों से कूड़े के ढेरों को समाप्त करने के लिए ी एक विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। निगम के नेता सदन प्रवेश वाही ने बताया कि इस अभियान के तहत दिल्ली के सभी जोनों में 517 गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट (जीवीपी) स्थलों पर प्रतिदिन स्वच्छता निरीक्षण किया जाएगा।

इस अभियान का नेतृत्व दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, उपमहापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा, स्थायी समिति उपाध्यक्ष सुंदर तंवर, शिक्षा समिति अध्यक्ष योगेश वर्मा और डेम्स समिति अध्यक्ष संदीप कपूर करेंगे। इनके साथ सभी जोनों के अध्यक्ष और निगम के अधिकारी रोजाना सुबह निरीक्षण पर निकलेंगे। महापौर राजा इकबाल सिंह ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और हरा-भरा रखना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। इस दिशा में नागरिकों की भागीदारी सबसे अहम है। नेता सदन प्रवेश वाही ने बताया कि दिल्ली के 12 जोनों में 517 ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां नियमित रूप से कूड़ा इकट्ठा हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य है हर वार्ड, हर जोन और हर सड़क को साफ-सुथरा और कूड़ा-मुक्त बनाना। नेता सदन ने कहा कि निरीक्षण के दौरान अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कूड़ा किन कारणों से जमा होता है और उसकी रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, हर दिन की

प्रगति रिपोर्ट तैयार कर निगम मुख्यालय और दिल्ली सरकार को भेजी जाएगी।

प्रवेश वाही ने बताया कि जीवीपी स्थलों को न केवल साफ किया जाएगा, बल्कि उन पर पौधे लगाकर आकर्षक रूप में विकसित किया जाएगा ताकि दोबारा लोग वहां कूड़ा न डालें।

बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं : रविंद्र इंद्राज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज ने बिंदापुर स्थित ओल्ड एज होम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाई और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने वृद्धजनों के साथ दीये जलाए और उन्हें मिठाई खिलाकर उत्सव की खुशियां साझा कीं। रविंद्र इंद्राज ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका स्नेह, अनुभव और आशीर्वाद हमारे जीवन को दिशा देता है। दीपावली की सच्ची रोशनी तभी है जब हमारे आसपास कोई भी बुजुर्ग अकेला या उदास न हो। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि इस दीपावली पर अपने आस-पास रहने वाले किसी बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज के हर सदस्य का यह दायित्व है कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान और अपनापन हमेशा बना रहे। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार, समाज कल्याण विभाग के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। ओल्ड एज होम्स की सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा बुजुर्गों के लिए सामुदायिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने

की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए नई योजनाओं पर भी लगातार काम कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों की मानसिक सेहत के लिए नये रिक्रिएशन सेंटर की योजना है और ओल्ड एज होम में काउंसिलिंग पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि हाल ही में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार नई पेंशन वैकेंसी निकाली गई हैं। इसके साथ ही पश्चिम विहार में सावित्री बाई फुले ओल्ड एज होम का लोकार्पण भी किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों को लगभग आठ लाख रुपये के उच्च गुणवत्ता वाले निःशुल्क उपकरण भी प्रदान किए गए हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की हर योजना का लाभ प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों तक पहुंचने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। इस दिशा में सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन का लाभ मिलेगा। उन्हें सहायक उपकरण के रूप में व्हीलचेयर, वॉकर, व्हील बेयर और व्हील बेयर कमोड, कान की मशीन, चश्मा, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी प्रेस, सर्वाइकल कॉलर और अन्य स्वास्थ्य सहायक किट दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी में बुजुर्गों की अच्छी मानसिक सेहत के लिए रिक्रिएशन सेंटर के विकास पर भी 20 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

गौरक्षक और भीड़ हिंसा पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय को मौलाना महमूद मदनी ने सच्चाई उजागर करने वाला बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने राहुल यादव बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (आपराधिक वाद संख्या 9567/2025) मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि न्यायालय ने हिंसा, मॉब-लिंचिंग और गौरक्षकों के अत्याचारों पर उत्तर प्रदेश सरकार को जो चेतावनी दी गई है, वह समय के अनुकूल है और सच्चाई को उजागर करने वाली है।

न्यायालय ने प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज की गई गौ हत्या की एक एफआईआर को खारिज करते हुए कहा कि आज के दौर में भीड़ हिंसा आए दिन घटित होने वाली एक आम बात बन चुकी है, जो वास्तव में कानून के शासन की विफलता का संकेत है। इसके अलावा, पुलिस इसे रोकने के बजाय, हिंसा के पीड़ितों पर गलत एफआईआर दर्ज करके अराजकता और सामाजिक विभाजन पैदा कर रही है। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद लंबे समय से यह मुद्दा उठाती रही है कि गोरक्षा के नाम पर कानून को हाथ में लेने और निर्दोष लोगों को निशाना बनाने का सिलसिला बंद होना चाहिए। हमने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दायर की थी, जहां न्यायालय ने सरकारों को तहसीन पूनावाला मामले में दिए गए निर्देशों का पालन करने का आदेश दिया था। लेकिन दुर्भाग्य से, सरकारों ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को ध्यान देने योग्य नहीं समझा, जिससे गोरक्षों का मनोबल और बढ़ गया। साथ ही, कानून बनाने और उनके क्रियान्वयन में राज्य प्रायोजित सांप्रदायिकता की भूमिका रहती है।

मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि देश के लिए राज्य प्रायोजित सांप्रदायिकता से बड़ा कोई नासूर नहीं है, जो भारत के संविधान की जड़ों को खोखला कर रही है। ज्ञात हो कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में लिखा है कि तहसीन एस पूनावाला बनाम भारत संघ (2018) के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सपष्ट निर्देश दिया था कि हर जिले में नोडल अधिकारी की नियुक्ति, विशेष टास्क फोर्स का गठन और भीड़ हिंसा के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना की जाए और उन अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए, जो अपने दायित्वों का पालन करने में विफल रहें। जमीअत अध्यक्ष ने कहा कि इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, उत्तर प्रदेश पुलिस ने केवल एक सर्कुलर जारी कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली और कोई औपचारिक सरकारी आदेश जारी नहीं किया। न्यायालय ने कहा कि जारी किया गया सर्कुलर केवल पुलिस सलाह तक सीमित था, जबकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 162 के तहत एक व्यापक सरकारी नीति की आवश्यकता है। साथ ही, संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत अदालती आदेशों का पालन अनिवार्य और बाध्यकारी है। मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि कानून तोड़ने, निर्दोष नागरिकों को अपमानित करने या उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन करने का कोई औचित्य प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

सीबीआई ने जेकेएलएफसी के अधिकारी को घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख वित्त निगम (जेकेएलएफसी) के कानूनी अनुभाग अधिकारी सुनील जांजुआ को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने निगम से लिए गए 51 लाख रुपये के लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यम ऋण के निपटारे के लिए अपनी फाइल जमा की थी। फाइल को आगे बढ़ाने के लिए अधिकारी ने 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद पहले चरण में 20 हजार रुपये देने की बात तय हुई। सीबीआई ने 17 अक्टूबर को जाल बिछाकर आरोपी को उस समय पकड़ा, जब वह शिकायतकर्ता से यूपीआई के माध्यम से 20 हजार रुपये ले रहा था। तय हुआ था कि शेष राशि निर्णय आने के बाद दी जाएगी। सीबीआई ने आरोपित के आवास पर तलाशी की कार्रवाई शुरू की है। मामले की जांच जारी है।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने पर्यावरण के अनुकूल दिवाली मनाने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। एक हरी-भरी दिवाली ही खुशहाल दिवाली है, आइए प्लास्टिक कम करें और पर्यावरण के अनुकूल सजावट अपनाएं' यह संदेश दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 'सम्पूर्णा ग्रीन दिवाली मेला 2025' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के साथ दिवाली मनाने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित गैर-सरकारी संगठन 'सम्पूर्णा' द्वारा महाराणा प्रताप कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर-9, रोहिणी में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य सतत, रचनात्मक और समावेशी उत्सवों को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर संस्था की संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. शोभा विजेंद्र, पार्षद परवेश वही, स्मिता कौशिक, चिकित्सक, समाजसेवी और दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विजेंद्र गुप्ता ने समारोह में सम्पूर्णा के पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से जागरूक उत्सवों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा,'त्योहारों का उद्देश्य खुशी फैलाना होना चाहिए, न कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना।

दिवाली, रोशनी का त्योहार है, साथ ही यह जागरूकता का त्योहार भी होना चाहिए – जो हमें स्वच्छ हवा, जिम्मेदार खपत और सभी के प्रति सहानुभूति की ओर मार्गदर्शन करे।'

विधानसभा के अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा एक साझा नागरिक दायित्व है, जो भारत की सतत विकास और जिम्मेदार नागरिकता की बड़ी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उन्होंने सामुदायिक पहल की अहमियत को रेखांकित करते हुए नागरिकों से छोटे परंतु प्रभावशाली कदम उठाने का आह्वान किया, जैसे प्लास्टिक कम करना और पर्यावरण के अनुकूल सजावट अपनाना। मेले में विभिन्न आयु समूहों के प्रतिभागियों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जो रचनात्मकता और सामुदायिक भावना को उजागर करती थीं। वरिष्ठ नागरिक कविता प्रतियोगिता, बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, युवा और मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता, और 'हरी और जिम्मेदार दिवाली' थीम पर रंगोली प्रतियोगिता में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

23 तक ड्रोन उड़ाने और जुलूस पर रोक, त्योहारों के मद्देनजर कमिश्नरेट पुलिस ने लागू की धारा 163

एजेंसी

नोएडा। दिवाली समेत अन्य त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था व शांति के लिए कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 163 लागू कर दी गई है। इसकी पांबदियां 18 अक्टूबर से 23 तक प्रभारी रहेंगी। इस दौरान ड्रोन नहीं उड़ाया जा सकेगा। किसी भी प्रकार का धरना-प्रदर्शन, जुलूस या सार्वजनिक सभा बिना अनुमति के आयोजित नहीं की जा सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों और आवासीय इलाकों में 40 से 75 डेसिबल से अधिक आवाज में लाउडस्पीकर या डीजे बजाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। ड्रोन कैमरे का उपयोग भी पुलिस से अनुमति के बिना नहीं किया जा सकेगा।

दिल्ली में भाजपा कार्यालय में दीपावली उत्सव का आयोजन, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में दिल्ली के भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर सभी दिल्लीवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दीपोत्सव दिल्लीवासियों के जीवन में विश्वास, संतोष और दिव्यता का अमिट प्रकाश फैलाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज भाजपा के वरिष्ठजनों और कार्यकर्ता साथियों के साथ दिल्ली भाजपा कार्यालय में दीपावली उत्सव में शामिल हुई। यह दीपावली दिल्ली के लिए विशेष है। पिछले सात माह में दिल्ली सरकार ने जनता के हित में जिस समर्पण और प्रतिबद्धता से कार्य किया है, उसका परिणाम आज हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार दिल्ली में पहली बार कर्तव्य पथ पर भव्य और दिव्य दीपोत्सव का आयोजन हो रहा है, जिसमें एक लाख 51 हजार दीपों की श्रृंखला, ड्रोन शो, रामकथा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दिल्लीवासियों को दीपावली के रंग में

सराबोर करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दीपावली पर दिल्ली को कई उपहार मिले हैं, जिनमें व्यापारियों के लिए 'इज ऑफ डोइंग बिजनेस' की सुगमता, जीएसटी रिफंड से राहत, ग्रीन पटाखों की अनुमति और दिल्ली को 'करेटिव कैपिटल' बनाने का संकल्प शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हर पीढ़ी की खुशहाली, आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव का उत्सव है, जो विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित है, जिनके परिश्रम और संवेदना से समाज की नींव मजबूत होती है।

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह दीपावली दिल्ली के लिए नई आशा और विश्वास का प्रतीक है। भाजपा सरकार ने दिल्ली को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। कर्तव्य पथ पर आयोजित दीपोत्सव न केवल दिल्ली की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि पर्यावरण और परंपरा के बीच संतुलन बनाए रख सकते हैं। उन्होंने ग्रीन पटाखों की अनुमति और व्यापारियों के लिए किए गए सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि यह दिल्ली के लिए एक स्वर्णिम युग की शुरुआत है।

उच्चतम न्यायालय के दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की अनुमति दिए जाने पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दीपावली हमारी संस्कृति से जुड़ा एक अभिन्न अंग है और प्रभु श्री राम से जुड़ा ये त्योहार हम सभी के जीवन में खुशियां व उमंग लेकर आता है। दिल्ली की पिछली सरकारों ने सनातन से जुड़े त्योहारों को बाधित करने का काम किया है।

अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री उन सभी पुरानी परंपराओं को जीवित कर उसे उल्लास के साथ मनाने का भी प्रयास कर रही हैं। दिल्ली सरकार ने पक्ष अच्छा रखा तो सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनुमति दी। हर धर्म को अपना त्योहार खुशियों से मनाना चाहिए।

ऋषि सुनक ने दिल्ली के बंगाली मार्केट में ससुराल वालों के साथ मिठाई का आनंद लिया

एजेंसी

नई दिल्ली ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ससुराल वालों के साथ मध्य दिल्ली के बंगाली मार्केट स्थित एक रेस्टोरेंट में स्थानीय व्यंजनों का आनंद लिया।दुकान मालिक ने बताया कि इस वीआईपी उपस्थिति ने इस उच्चस्तरीय व्यापारिक जिले में खरीदारों और भोजन करने वालों का ध्यान आकर्षित किया। %एनडीटीवी वर्ल्ड समिट- 2025% में सुनक ने कहा कि मैंने बंगाली स्वीट्स में कुछ मिठाइयां खाईं। उन्होंने अपनी सास सुधा मूर्ति, जो राज्यसभा सदस्य हैं और दिल्ली के लोकप्रिय स्थानों से परिचित हैं, को अपने परिवार के साथ घूमने के लिए इस रेस्टोरेंट का सुझाव देने का श्रेय दिया। बंगाली मार्केट में अपने ससुराल वालों के साथ समय बिताते हुए, सुनक को अन्य ग्राहकों और बंगाली स्वीट हाउस के मालिक से शुभकामनाएं स्वीकार करते देखा गया। सुनक रेस्टोरेंट की मेज पर एक कुर्सी पर बैठे थे, सामने उनके ससुर एनआर नारायण मूर्ति, इन्फोसिस के संस्थापक, और बगल में उनकी सास सोफे पर बैठी थीं। उत्सुक लोग रेस्टोरेंट की बड़ी खिड़कियों से खास मेहमानों के वीडियो और तस्वीरें लेते नजर आए। सुनक और मूर्ति परिवार ने बंगाली स्वीट हाउस में खाना खाया। यह दुकान दिल्ली के मंडी हाउस के पास है, जो कला और थिएटर क्षेत्र के करीब है। यह जगह पर्यटकों और कलाकारों, खासकर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के पूर्व छात्रों जैसे बॉलीवुड अभिनेताओं के बीच लोकप्रिय है। सुनक दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आए हैं। इससे पहले सुनक ने कहा था कि वह अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट और एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में शामिल हो गए हैं। पिछले जुलाई में आम चुनाव में हार के बाद विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पद से इस्तीफा देने वाले सुनक ब्रिटिश संसद के सदस्य बने हुए हैं। लिंक्डइन पर एक पोस्ट में सुनक ने कहा कि इन पदों से प्राप्त होने वाली पूरी राशि द रिचमंड प्रोजेक्ट को दान कर दी जाएगी, जो एक चैरिटी है, जिसकी शुरुआत उन्होंने अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ मिलकर की थी।

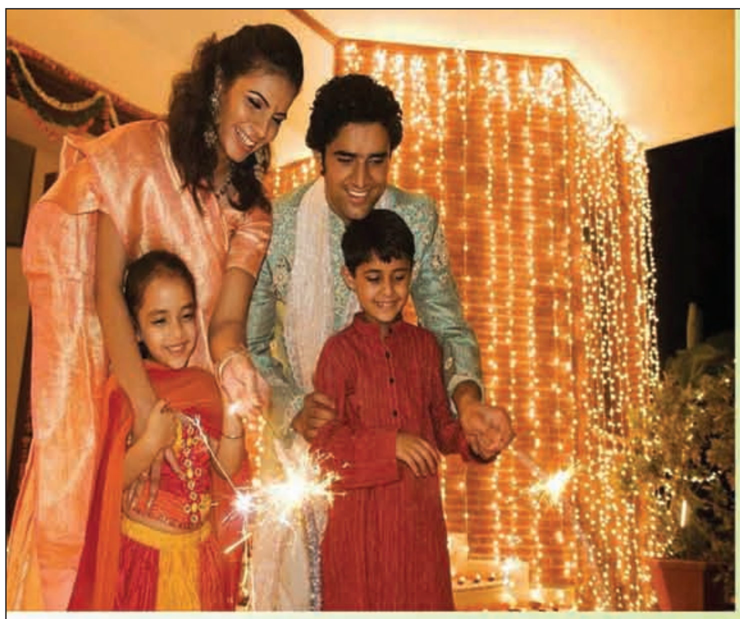

आतिशबाजी के समय बच्चों का रखें ध्यान

च्चों को आतिशबाजी और पटाखे के कारण दीपावली का साल भर से इंतजार रहता है। पटाखे जलाने के दौरान बच्चों को जो खुशी मिलती है उसका कहना ही क्या। इस दौरा उनके साथ बड़े भी शामिल हो जाते हैं। उमंग और उत्साह के इस पर्व के दौरान सावधानी रखनी भी जरुरी है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। इसलिए पटाखे जलाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखें और और सुरक्षित दीपावली मनाएं। इन दिनों की जा रही रौशनी के पहले बल्ब और तार को ठीक से जांचे-परखे लें। इनसे बच्चों को करेंट लगने का खतरा रहता है।

टाखे खरीदते समय हमेशा क्वॉलिटी का ध्यान रखें। सामान्य पटाखे की जगह ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल कर सकते है। दिवाली से पहले केंद्र सरकार द्वारा इन्हें जारी किया गया है इसमें अनार, पेंसिल, चकरी, फुलझड़ी व सुतली बम शामिल है।

र में पटाखे ऐसी जगह पर रखें, जो बच्चों की पहुंच से दूर हों।

ऊपर की मंजिल पर रहने वाले बच्चों को भूलकर भी बालकनी से नीचे पटाखे जलाकर नहीं फेंकने चाहिए। वाहनों पर जलते पटाखे फेंकने जैसा मजाक भी नहीं करना चाहिए। इससे हादसों का खतरा रहता है। आतिशबाजी चलाते वक्त बच्चों को पटाखों से निश्चित दूरी बनाए रखने के बारे में समझाएं। उन्हें बताएं कि वे पटाखों को झुककर न जलाएं। नवजात शिशु और छोटे बच्चों के आसपास तेज आवाज वाले पटाखे न जलाएं। बच्चों को पटाखे जेब में डालकर घूमने न दें, क्योंकि पटाखों का जहरीला मसाला हाथों में लग जाने से त्वचा को नुकसान हो सकता है। पटाखे चलाते समय सूती और चुस्त कपड़े पहनें। ढीले, झालरों वाले और जरुरत से ज्यादा लंबी आस्तीन के कपड़े नहीं पहनें।

इसके साथ ही पानी से भरी एक बाल्टी रखें जिसमें जली हुई फुलझड़ी व आदि डाल दें।

किसी भी प्रकार के प्राथमिक उपचार के लिए जलने पर लगायी जाने वाली दवा भी रखें। पटाखे जलाते समय पैरों में चप्पल आदि पहनी होनी चाहिये क्योंकि ऐसा नहीं होने पर किसी भी जले हुए पटाखें से पैर जल सकता है।

धूमधाम से मनाएं दिवाली, आतिशबाजी छुड़ाने पर ध्यान रखें ये बातें

वी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। रंगोली बनाते हैं और सभी दोस्तों और रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देते हैं। मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे जलाते हैं। पटाखे जलाते समय हमें अपनी और अपनों की सुरक्षा का ध्यान भी रखना चाहिए, क्योंकि जरा सी लापरवाही न सिर्फ आंखों में चोट का कारण बन सकती है, साथ ही पटाखों से निकलने वाले प्रदूषण के कारण भी आंखों को दीर्घकालिक क्षति का खतरा रहता है। विशेषकर बच्चों में इस तरह के जोखिम अधिक देखे जाते रहे हैं।

द्यपि पटाखों को जलाना निषिद्ध है और विशेषज्ञों की दृष्टि से उचित नहीं है। पटाखे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है बल्कि ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है और हाथ और आंखों की चोटों के लिए जिम्मेदार है। अगर आप पटाखों या दीयों का उपयोग कर रहे हैं तो हाथ और आंखों की चोटों को रोकने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें।

ुले स्थानों पर ही जलाएं पटाखें: कोशिश करें कि पटाखों को दूर और खुले स्थानों पर ही जलाएं। पटाखों के एकदम नजदीक जाने से बचें। पटाखों को अपने चेहरे को तो बहुत ही दूर रखें। अगर कोई पटाखा न फूटे तो उसके पास जाकर उसे हाथ से न छूएं और न ही हाथ से उठाएं। हो सकता है कि वो पटाखा आप के हाथ में ही फट जाए। बच्चों को अकेले पटाखे जलाने के लिए ना भेजें।

ांखों को पहुंच सकता है नुकसान: आंखों में कट, सुपरफिशियल एब्रेशन, ग्लोब इंज्योरी, केमिकल एण्ड थर्मल बर्न हो सकता है। अगर आप को आंखों में दर्द, लाल होना, सूजन, जलन, आंख खोलने और बंद करने में परेशानी या फिर दिखाई न देना जैसी समस्याएं हो रही है तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

टाखों को कभी ना जलाएं टिन या शीशे की बोतल में : अतिशबाजी से सबसे ज्यादा क्षति तब होती है जब इन पटाखों को टिन या शीशे की बोतल में रखकर जलाया जाता है ताकि ज्यादा शोर हो, लेकिन कभी भी आसपास खड़े लोगों को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए न ऐसा करे और न ही किसी को ऐसा करने दें। पटाखों के अंदर से निकला हुआ कार्बन और अन्य विषाक्त पदार्थ आंखों के उतकों, नसों और अन्य मुलायम लिगामेंट्स को क्षति पहुचा सकते हैं। बोतल में जलाए जाने वाले राकेट लोगों के चेहरों पर उड़कर लग जाते हैं जिसके कारण आंखों में चोट के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। पटाखों के नजदीक से फटने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

ान्टैक्ट लेंस पहनने वाले रखें ध्यान: कान्टैक्ट लेंस पहनते वाले लोगों को दिवाली में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पटाखों को जलाने से पहले कान्टैक्ट लेंस निकाल लेना चाहिए। कान्टैक्ट लेंस की जगह चश्मा पहनकर रखें, नहीं तो पटाखों और दीया की गर्मी के कारण कान्टैक्ट लेंस आंखों में जलन पैदा कर सकते हैं।

ापात स्थिति में क्या करें: आपात स्थिति में अपने आप कोई उपचार ना करें। चोटिल भाग को न छेड़ें और न ही आंखों को मलें। अगर ये सुपरफिशियल इंज्युरी है तो आंखों को साफ पानी से धो लें। अगर आंखों से खून निकल रहा हो, दर्द हो या फिर साफ दिखाई न दे तो आंखों को ढंक लें और तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ के पास ले जाएं। किसी भी आंख की चोट को मामूली न समझें क्योंकि छोटी सी चोट भी आंखों की दृष्टि छीन सकती है।

चीन से जुड़ा है पटाखों का इतिहास

दिवाली आते ही अब एक बार फिर से पटाखों की विस्फोटक चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग पटाखें जलाने के पक्ष में रहते हैं तो कुछ इसे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला बताकर आतिशबाजी के खिलाफ हैं। किसी भी मुद्दे पर इस तरह की सहमति और सहमति चलती रहेगी, यह आम बात है, लेकिन इस बीच यह जानना दिलचस्प होगा कि आखिर पटाखों या आतिशबाजी का इतिहास क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

यह भी कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक शहजादी की शादी में आतिशबाजी की गई थी। इस दौरान कहा जाता है कि करीब 80 हजार के पटाखे जलाए गए थे। हालांकि इसमें कितने सच्चाई है यह किसी को नहीं पता, लेकिन अलग अलग रिपोर्ट से यही तथ्य उभरकर सामने आते हैं। चीन के बाद पटाखें यूरोप और अरब देशों में लोकप्रयि होने लगे। यहां कुछ खास मौकों पर या फिर अपनी जनता को खुश करने के लिए उस वक्त के राजा-महाराजा और शाषक आतिशबाजी करने लगे। वहीं बाद में अमेरिका की आजादी के मौके पर बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की गई।

तमाम देशों की यात्रा करते हुए करीब 1400 या 1500 ईसवीं में इतिहास में पटाखों और आतिशबाजी का जिक्र मिलता है। जो अलग-अलग उत्सवों और शादियों आदि में किया जाता रहा है। मध्य युग में आतिशबाजी राजशाही परिवारों का अभिन्न हिस्सा था। बाद में धीरे-धीरे यह रौशनी के पर्व दिवाली का भी हिस्सा बन गया। और इतना प्रचलित हुआ कि आज तक हर छोटे बड़े उत्सव और आयोजन में आतिशबाजी की जाती है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रीन पटाखों का चलन भी हो चला है। जानते हैं कितने फायदेमंद हैं ग्रीन पटाखें।

ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और माना जाता है कि इससे प्रदूषण काफी कम होता है। इन पटाखों से 30-40 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जाता है। इन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले नुकसानदायक कैमिकल नहीं होते हैं। ग्रीन पटाखों के लिए कहा जाता है कि इसमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता या फिर बहुत कम मात्रा में किया जाता है। इससे वायु प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सकता है। ग्रीन पटाखे दिखने में सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं और ग्रीन पटाखों की कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लॉवर पॉट, स्काईशॉट जैसे सभी तरह के पटाखे मिलते हैं। इन्हें भी माचिस की तरह जलाया जाता है, इसके अलावा इनमें खुशबू और वाटर पटाखे भी जाते हैं, जिन्हें अलग तरह से जलाया जाता है इन पटाखों से रोशन भी होती है। ये सामान्य पटखों वाला फील देते हैं। ब ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। इन पटाखों को जलाने पर धुआं निकलता और इसकी मात्रा कम होती है। हालांकि ये पटाखे सामान्य पटाखों से थोड़े महंगे होते हैं। जहां सामान्य पटाखों के लिए 250 रुपए तक खर्च करना पड़ता है, वहीं ग्रीन पटाखों के लिए 400 रुपये से ज्यादा खर्च करन पड़ सकता है।

पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

ग्रीन पटाखे क्या होते हैं किस तरह केमिकलयुक्त पटाखों से है अलग

बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण देश में कुछ जगहों पर पटाखे पूरी तरह से बैन कर दिए गए है तो कहीं पर सीमित मात्रा में जलाने की अनुमति दी जा रही है। पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन पटाखे एक नया विकल्प सामने आया है। बताया जा रहा है कि इससे 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होगा। साथ ही इनमें में नुकसानदायक केमिकल नहीं होते हैं। आइए जानते हैं ग्रीन पटाखे क्या होते है

ग्रीन पटाखे प्रदूषण को कम करता है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार का एल्यूमिनियम, बेरियम, पोटेशियम-नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अगर होते भी है तो मात्रा बहुत कम होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा है यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। यह दिखने में एकदम सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं केमिकल युक्त पटाखों की तरह ही और ग्रीन पटाखों में भी वह सभी वैरायटी उपलब्ध है। कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लावर पॉट,स्काई शॉट जैसे पटाखे हैं। उन्हें भी अन्य पटाखों की तरह ही माचिस से जलाया जाता है। यह खुशबू वाले भी आते हैं। लेकिन देखा जाए तो यह पटाखे केमिकल युक्त पटाखों से थोड़े महंगे होंगे। इसमें में केमिकल पटाखे की तरह धुंआ भी निकलेगा लेकिन वह हानिकारक नहीं होगा। केमिकल युक्त पटाखे 250 रूपए तक के पड़ते हैं वहीं ग्रीन पटाखे 400 रूपए तक के पड़ सकते हैं।

पटाखे जलाने से होता ये नुकसान

पटाखे जलाने से ज्यादा आबादी वाले शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जो सर्दी के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहले से ही खराब स्थिति में है.कोरोना वायरस महामारी के बीच पटाखे जलाना और ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि प्रदूषण की वजह से इम्यूनिटी कमजोर होती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

क्या होते हैं ग्रीन पटाखे

खतरनाक और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की जगह कई राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है और लोगों में इसका क्रेज दिखाई दे रहा है.लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन पटाखे क्या होते हैं और पुराने परंपरागत पटाखों से कैसे अलग होते हैं

नॉर्मल पटाखे से कितने अलग होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (गक्क्टत्र) की खोज हैं और ये आवाज से लेकर दिखने तक में पारंपरिक पटाखों जैसे ही होते हैं, लेकिन इनको जलाने पर प्रदूषण काफी कम होता है और ये सामान्य पटाखों की तुलना में 40 से 50 फीसदी तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं.हालांकि ऐसा नहीं है कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण बिल्कुल भी नहीं होगा, हालांकि ये सामान्य पटाखों से कम हानिकारक हैं.

ग्रीन पटाखों में नहीं होते हैं हानिकारक रसायन

ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं.इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है या ग्रीन पटाखों में खतरनाक रसायनों की मात्रा काफी कम होती है.इस वजह से इन पटाखों से प्रदूषण कम होता है.

ग्रीन पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है कम

ग्रीन पटाखों से वायु प्रदुषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है, क्योंकि ये साइज में थोड़े छोटे होते हैं और कम आवाज करते हैं.ग्रीन पटाखों से अधिकतम 110 से 125 डेसिबल ध्वनि प्रदूषण होता है, जबकि नॉर्मल पटाखों से 160 डेसिबल तक होता है.

महंगे होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों के कीमत की बात करें तो यह परंपरागत पटाखों की तुलना में थोड़े महंगे होते हैं.यदि आपके राज्य में सामान्य पटाखों पर रोक लगी है और ग्रीन पटाखों की इजाजत दी गई है तो आपको सरकार की ओर से रजिस्टर्ड दुकान पर ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं.इसके अलावा आप ग्रीन पटाखे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं.

तकनीक के साथ बदलते पटाखे

तकनीकी विकास पटाखे के निर्माण भी अपना असर दिखाने लगा है अ नई तकनीक के साथ पटाखों की कि से लेकर पैकेजिंग तक बहुत कुछ बद नजर आ रहा है.सीटी बजाते पटा आसमान को रंगीन रौशनी से भ पटाखे या फिर एक ही डिब्बे में कई त की आतिशबाजी समेटे पटाखे कुछ पहले तक बाजार में नहीं थे.पर अ बाजार में सबसे ज्यादा माँग इ पटाखों की है.और तो और चीन से इ बार आई पटाखों की नई किस्म भारतीय बाजारों में त्योहारों के मद्देन हाथोंहाथ बिक रही

बच्चों में सबसे ज्यादा माँग चीनी माउजर पिस्तौल की है.इस पटाखे छोड़नेवाली पिस्तौल में एक बार में दस गोलियाँ भरी और दागी जा सकती हैं.पटाखों की पैकेजिंग में भी खासा बदलाव आया है इस पिस्तौल की माँग का आलम यह है कि शुरुआत में 45-50 रूपए में मिल रही यह पिस्तौल अब 120 रूपए तक हो गई है.माना जा रहा है कि व्यापारी बढ़ी माँग को देखकर माल रोक रहे हैं और इसी वजह से इसके दामों में इजाफा हो गया है.पर व्यापारी इन पिस्तौलों की कम आपूर्ति के लिए आयातकों को दोष देने से नहीं चूक रहे.ऐसे ही एक व्यापारी किशन कुमार बताते हैं कि सारा मुनाफा तो आयातकों को हो रहा है.थोक या फुटकर विक्रेताओं को तो पूरा माल मिल ही नहीं रहा है और माँग काफी ज्यादा है.

रंगीन आतिशबाजी

पटाखों की किस्म में एक बड़ा बदलाव लोगों के बदलते मिजाज के चलते भी आया है.लोगों को अब आवाज करनेवाले पटाखों की जगह आसमान में ऊपर जाकर रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद आ रहे हैं.इसे देखते हुए तमाम पटाखा निर्माता कंपनियों ने इस बात का खासा ध्यान रखा है और बाजार ऐसे पटाखों से पटा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है.पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है. 1875 से इसी कारोबार में लगे विष्णु बताते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है. पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.'' वो

बताते हैं, ''तकनीकी का ज्यादा असर बनाने पर कम पैकिंग पर ज्यादा हुआ है.पहले पैकेजिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था पर अब इसपर काफी ध्यान दिया जा रहा है. जो रंग भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें हम ची और बाकी देशों में आयात करते हैं.''

पहले तो कम किस्में थीं पर अब कई तरह के पटाखे मिल रहे हैं और इनमें आसमान में ऊपर जानेवाले पटाखे ज्यादा पसंद आते हैं. फिर विदेशों में जिन पटाखों का मजा लोग ले थे, अब उन्हें भी हम यहाँ खरीद सकते हैं.''

एनएमडीसी स्टील को हॉट रोल्ड स्टील के लिए मिला बीआईएस प्रमाणन

एजेंसी

नई दिल्ली। अत्याधुनिक एकीकृत इस्पात संयंत्र एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह भारत की पहली कंपनी बन गई है, जिसे हॉट रोल्ड स्टील स्ट्रिप, शीट और प्लेट्स के लिए भारतीय मानक (आईएस) लाइसेंस मिला है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि यह प्रमाणन रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व मानक दिवस 2025 समारोह के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने प्रदान किया। यह पुरस्कार एनएमडीसी स्टील के मुख्य महाप्रबंधक (इस्पात) अमृत नारायण ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों प्राप्त किया। इस समारोह में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल तथा बीआईएस रायपुर के निदेशक एवं प्रमुख एसके गुप्ता उपस्थित रहे। मंत्रालय ने कहा कि आईएस 18384:2023 प्रमाणन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस उद्योग में पाइपलाइन परिवहन प्रणालियों के लिए डिज़ाइन किए गए इस्पात उत्पादों में उत्कृष्टता के लिए एक महत्वपूर्ण मानक स्थापित करता है। यह एनएमडीसी स्टील के तकनीकी उन्नयन, उत्कृष्ट उत्पाद गुणवत्ता और सुस्थिर विनिर्माण प्रथाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

एफपीआई ने अक्टूबर में पूंजी बाजार में लगाये 21,167 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में 21,167 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। लगातार चार महीने की बिकवाली के बाद एफपीआई का रुख सकारात्मक रहा है। इससे पहले सितंबर में उन्होंने 12,571 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। खास बात यह रही कि इस महीने इक्विटी में भी उनका निवेश तीन महीने बाद सकारात्मक हुआ है। इक्विटी में उन्होंने 6,480 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। डेट में एफपीआई ने 12,475 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। वहीं, म्यूचुअल फंड से उन्होंने 357 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में भी उन्होंने 2,565 करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई इस साल अब तक भारतीय पूंजीबाजार में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे हैं। मार्च, मई और अब अक्टूबर को छोड़कर अन्य सात महीने उन्होंने बाजार से पैसे निकाले हैं। इस साल अब तक कुल मिलाकर उन्होंने 63,444 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है।

एचडीएफसी बैंक को दूसरी तिमाही में 18,641 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

मुंबई। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकल आधार पर 18,641 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही 16,821 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.82 प्रतिशत अधिक है।बैंक ने वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि वित्त वर्ष के दौरान ब्याज से प्राप्त उसकी कुल आय 3.61 प्रतिशत बढ़कर 76,691 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 31,550 करोड़ रुपये रही जो सालाना आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़ी है। बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) एक साल पहले के 1.36 प्रतिशत से घटकर 30 सितंबर 2025 को 1.24 प्रतिशत रही। शुद्ध एनपीए 0.41 प्रतिशत से बढ़कर 0.42 प्रतिशत पर पहुंच गयी। तिमाही के दौरान परिचालन से प्राप्त राजस्व 91,041 करोड़ रुपये रहा जिसमें खुदरा बैंकिंग से प्राप्त आय 75,585 करोड़ रुपये रहा। समग्र आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 19,611 करोड़ रुपये रहा। दूसरी तिमाही में बैंक के पास औसत जमा राशि 27,105 अरब रुपये रही। चालू खाता और बचत खाते में औसत जमा राशि 8.5 प्रतिशत बढ़कर 8,770 अरब रुपये रही। बैंक द्वारा दिये गये ऋण में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 27,692 अरब रुपये पर पहुंच गयी। इसमें खुदरा ऋण 7.4 प्रतिशत बढ़ा।

चावल, चीनी, दालों में नरमी; गेहूं महंगा; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव घट गये। दालों और चीनी में भी नरमी रही। वहीं, गेहूं की कीमत बढ़ गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 26 रुपये घटकर 3,834.21 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं का भाव आठ रुपये बढ़कर 2,860.50 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। आटे की कीमत चार रुपये की तेजी के साथ 3,312.81 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। मूंगफली तेल की औसत कीमत 175 रुपये और वनस्पति की 43 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। सोया तेल की कीमत में 10 रुपये की गिरावट रही। पाम ऑयल 40 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सरसों तेल 68 रुपये और सूरजमुखी तेल 40 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। दाल-दलहनों में चना दाल की औसत कीमत 48 रुपये और मसूर दाल की 62 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। तुअर दाल 148 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मूंग दाल की औसत कीमत 45 रुपये और उड़द दाल की 57 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। चीनी भी चार रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

पिछले साल के मुकाबले नवरात्रि पर इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की 20-25 फीसदी अधिक बिक्रीः अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के बाद बाजार में इस बार रिकॉर्ड खरीदारी देखी जा रही है। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस नवरात्रि में इलेक्ट्रॉनिक्स की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। जितनी भी रिटेल चेन हैं उन सबसे जो डेटा आया है, उसके हिसाब से पिछले नवरात्रि के मुकाबले इस बार 20 से 25 प्रतिशत अधिक बिक्री हुई है। इसमें 85 इंच टीवी का तो स्टॉक खत्म हो गया है।

नेशनल मीडिया सेंटर में ा आयोजित प्रेसवार्ता में अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की बिक्री की जानकारी देते हुए कहा कि जी एसटी बदलाव के कारण बहुत सारे परिवारों ने पुरानी टीवी को अपग्रेड कर नए टेलीविजन खरीदे। बहुत सारे परिवारों ने अपने पुराने स्मार्टफोन को अपग्रेड कर नए स्मार्टफोन खरीदे। इसी तरह

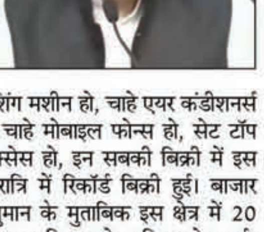

वॉशिंग मशीन हो, चाहे एयर कंडीशनर्स हो, चाहे मोबाइल फोन्स हो, सेट टॉप बॉक्सेस हो, इन सबकी बिक्री में इस नवरात्रि में रिकॉर्ड बिक्री हुई। बाजार अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में 20 से 25 प्रतिशत से अधिक सेल हुई। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से खाद्य महंगाई दर में काफी कमी आई है। चार महीने से खाने-पीने की चीजों के दाम कम हुए हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान की मांग बढ़ने से उसका सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र पर सकारात्मक रूप से देखने को मिल रहा है। इस क्षेत्र का विकास दोगुनी रफ्तार से देखा जा रहा है। इससे 25 लाख लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार मिला है। इसके साथ उन्होंने बताया कि अमेरिका को स्मार्ट फोन के निर्यात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इसमें हाईएंड फोन शामिल है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। हमारे देश में बड़ी कंपनियां के फोन की मैन्यूफैक्चरिंग में बढ़ोतरी हुई है। उनकी कुल मैन्यूफैक्चरिंग का करीब 20 प्रतिशत अब भारत में हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश में दूसरा सेमीकंडक्टर प्लांट शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि जब जीएसटी का बहुत बड़ा रिफॉर्म प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री ने किया था तब कई आशंकाएं जताई गई कि खपत और मांग किस तरह से बढ़ेगी। पिछले साल 335 लाख करोड़ की जीडीपी है, उसमें से 202 लाख करोड़ हमारी खरीदारी है और 98 लाख करोड़ का इन्वेस्टमेंट है। सामान्य रूप से खपत में हर साल बढ़ोतरी होती है लेकिन इस साल जीएसटी सुधारों के कारण खपत में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई। इस साल यह बढ़ोतरी 10 प्रतिशत से अधिक देखने को मिलेगी। इस साल करीब 20 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त खपत होने की पूरी संभावना है।

निसान मैग्नाइट एएमटी सीएनजी के साथ लॉन्च, इंटीग्रेटेड फ्यूल लिड डिजाइन पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने दिवाली से पहले भारतीय ग्राहकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी निसान मैग्नाइट के ऑटोमैटिक (श्चं-शिफ्ट) वेरिएंट के लिए अब सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा शुरु कर दी है। पहले ये सुविधा सिर्फ मैनुअल वेरिएंट के लिए उपलब्ध थी, लेकिन ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए कंपनी ने इसे ऑटोमैटिक मॉडल के लिए भी लॉन्च कर दिया है। निसान मोटर इंडिया ने शुक्रवार को अपने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट प्रोग्राम के विस्तार करने का ऐलान किया। जीएसटी परिषद के हालिया फैसले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद कंपनी ने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट की कीमत को घटाकर 71,999 रुपये कर दिया है। नई कीमतें 22 सितंबर से पूरे भारत में सभी अधिकृत निसान सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सेंटर पर प्रभावी हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा अपग्रेड के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। कंपनी ने कहा कि अब नई निसान मैग्नाइट क्क्र0 श्चं-शिफ्ट (एएमटी) के लिए सरकार से प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की पेशकश की गई है। नई निसान मैग्नाइट क्क्र0 मैनुअल ट्रांसमिशन में रेट्रोफिटमेंट को लेकर ग्राहकों की मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए उठाया गया है। निशान इंडिया मोटर ने कहा कि यह कदम सुगम, दक्ष और ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की निसान की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और उल्लेखनीय पड़ाव है। कंपनी ने री-इंजीनियर्ड फ्यूलिंग सिस्टम की भी पेशकश की है। सीएनजी फिलिंग वाल्व को अब मौजूदा फ्यूल फिलिंग लिड के साथ इंटीग्रेट किया गया है, जिससे पहले के इंजन कंपार्टमेंट प्लेसमेंट को रिप्लेस करना संभव होगा।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ा कहा कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर भारत और अमेरिका के बीच बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है। भारत किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वाणिज्य मंत्री ने जीएसटी बचत उत्सव पर यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत के किसानों का, मछुआरों का, भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र का, जब तक देश हितों को पूरी तरह से हम संभाल नहीं लेते, तब तक कोई समझौता नहीं हो सकता। गोयल ने यह भी भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। उन्होंने प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रगति और इसके कब तक पूरा होने से जुड़े एक सवाल पर कहा कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में चल रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) के दौरान देश के

वस्तु एवं सेवा निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। गोयल ने कहा कि अप्रत्यक्ष कर 140 करोड़ भारतीयों को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। उपभोक?ताओं को अब जीएसटी कटौती के माध्यम से 2.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ दिया गया है। कर कटौती के कारण गुणक प्रभाव ने पहले ही अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, मारुती सुजुकी की 1.65 लाख गाड़ियां नवरात्रि के 8 दिनों में बिकी हैं। नवरात्रि के दिनों में महिंद्रा की बिक्री 60 फीसदी तक बढ़ी है। मुझे पूरा विश्वास है कि नवरात्रि के बाद से देश में जो वातावरण पैदा हुआ है, वह हर घर तक पहुंचा है। आज देश में स्वदेशी की भावना पैदा हुई है। भारत में हर घर तक शौचालय, पानी और बिजली पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में एक समावेशी विकास देखने को मिला है।

दिल्ली के यशोभूमि में 12 नवंबर को जनजातीय व्यवसाय सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। जनजातीय व्यवसाय सम्मेलन 2025 यहां के यशोभूमि में 12 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) जनजातीय मामलों के मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

डीपीआईआईटी के मुताबिक इसका उद्देश्य राष्ट्र की विकास यात्रा में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर साबित होगा। यह एक ऐसी पहल है जो पूरे भारत में जनजातीय उद्यमियों को सशक्त बनाकर समावेशी, नवाचार-संचालित और सतत विकास को बढ़ावा देती है।

बयान में बताया गया है कि वर्ष 2025 का विशेष महत्व है, क्योंकि राष्ट्र भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहा है, जिनके सत्यनिष्ठा, नवाचार और आत्मनिर्भरता के आदर्श न्याय और विकास की ओर भारत की यात्रा को प्रेरित करते हैं। यह सम्मेलन उनकी चिरस्थायी विरासत और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक उद्यमशीलता ढाँचों से जोड़ने की महत्वपूर्ण भूमिका को श्रद्धांजलि है, जिसे वर्ष भर चलने वाली राष्ट्रीय परियोजनाओं और समारोहों द्वारा समर्थित किया जाता है।

सम्मेलन की खास बातें-

रूट्स टू राइज़ (प्रस्तुति सत्र):- जनजातीय उद्यमियों के लिए निवेशकों, सीएसआर नेताओं और सरकारी निकायों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए एक अनूठा मंच, जो मार्गदर्शन, वित्तपोषण और इनक्यूबेशन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

ज्ञान सत्रः- वित्त, ब्रांडिंग, समावेशी विकास और उद्यमिता क्षमता निर्माण पर उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं द्वारा पैनल और मास्टरक्लास की सुविधा।

सीईओ फोरमः- नवाचार, कौशल विकास, स्थिरता और बाजार पहुँच के लिए रणनीतियों को आकार देने वाला नेतृत्व संवाद।

प्रदर्शनी और मंडपः- 100 से अधिक जनजातीय स्टार्टअप और सूक्ष्म उद्यम अपने शिल्प, कृषि-उत्पाद, वनोपज और हरित प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत करेंगे।

क्रेता-विक्रेता बैठकेंः- ऐसे सत्र जो आदिवासी उत्पादकों को सीधे कॉर्पोरेट और सरकारी खरीद से जोड़ते हैं और दीर्घकालिक साझेदारियों को बढ़ावा देते हैं।

डीपीआईआईट के मुताबिक यह कॉन्क्लेव आदिवासी उद्यमिता और नवाचार को मुख्यधारा में लाने, स्वदेशी उत्पादों के लिए ब्रांडिंग और बाज़ार पहुंच को बढ़ाने, आदिवासी समुदायों के लिए क्षमता निर्माण और कौशल विकास को प्राप्त करने और मज़बूत बाज़ार संपर्क, वित्त तक सुगम पहुंच और अधिक निवेश के अवसरों को सुगम बनाने के लिए तैयार है।

इस सम्मेलन के प्रमुख रणनीतिक साझेदारों में फिक्की, स्टार्टअप इंडिया और एमएसएमई क्लस्टर्स फाउंडेशन शामिल हैं, जो जमीनी स्तर पर नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत मंच सुनिश्चित करते हैं।

भगोड़े मेहुल चोकसी को बड़ा झटका, कोर्ट ने प्रत्यर्पण को दी मंजूरी; आदेश के खिलाफ करेगा अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएनबी घोटाले का आरोपी और भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को बड़ा झटका लगा है। एंटवर्प कोर्ट ने उसके भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। इस घटनाक्रम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने कहा कि भारत के अनुरोध पर बेल्जियम के अधिकारियों की ओर से उसकी गिरफ्तारी वैध थी। एंटवर्प की एक अदालत ने भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी। अधिकारियों ने बताया कि यह आदेश भारत द्वारा उसके प्रत्यर्पण के मामले को पुख्ता मान्यता प्रदान करता है, क्योंकि चोकसी के पास बेल्जियम की एक उच्च न्यायालय में इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है।

चोकसी को तुरंत भारत नहीं

भेजा जाएगा

एंटवर्प की कोर्ट ने साफ कहा कि भारतीय एजेंसियों की मांग वैध है और बेल्जियम पुलिस की ओर से की गई गिरफ्तारी कानूनी रूप से वैध थी। कोर्ट के फैसले के साथ भारत की एजेंसियां सीबीआई और ईडी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है। हालांकि चोकसी के वकीलों ने कोर्ट में कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ उच्च अदालत में अपील करेंगे। इसलिए फिलहाल चौकसी को तुरंत भारत नहीं भेजा जाएगा।

कोर्ट ने गिरफ्तारी को वैध करार दिया

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'आदेश हमारे पक्ष में आया है। अदालत ने भारत के अनुरोध पर बेल्जियम के अधिकारियों द्वारा उसकी गिरफ्तारी को वैध करार दिया है। उसके प्रत्यर्पण की दिशा में पहला कानूनी कदम अब स्पष्ट है।'

13,000 करोड़ रुपए का घोटाला

बेल्जियम के अभियोजकों को विदेश मंत्रालय और सीबीआई के भारतीय अधिकारियों ने चोकसी द्वारा अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ रुपये का घोटाला करने के कथित अपराध पर मजबूत दलीलें पेश करने में मदद की। अधिकारियों ने बताया कि अभियोजकों ने अदालत को बताया कि उसके फरार होने का खतरा बना हुआ है और उसे जेल से रिहा नहीं किया जा सकता।

जीएसटी सुधारों को जनता ने बेहतर तरीके से अपनाया : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी सुधारों को देश की जनता ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। जीएसटी 2.0 की शुरुआत नवरात्रि के पहले दिन की गई थी। लोगों ने इसे बेहद अच्छे तरीके से अपनाया है। नई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 दरें लागू होने के करीब एक महीने बाद वित्त मंत्री सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आईटी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने धनतेरस पर यहां एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। सीतारमण ने बताया कि इन कटौतियों से भारतीयों को कैसे लाभ हुआ है। जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार जिन 54 दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कड़ी नज़र रख रही है, उनमें से प्रत्येक में जीएसटी सुधारों के कारण कर लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाया गया है। जीएसटी दर में कटौती और इसके लाभों पर वित्त मंत्री ने कहा, ऑटोमोबाइल क्षेत्र जीएसटी दर में कटौती के बारे में मुखर रहा है जिससे बिक्री में वृद्धि हुई है। तीन पहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 84077 इकाई हो गई। उन्होंने सुधारों के सकारात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला और सभी क्षेत्रों में वाहनों की मज़बूत बिक्री का ज़िक्र किया। सीतारमण ने कहा कि तिपहिया वाहनों की बिक्री साल-दर-साल 5.5 फीसदी बढ़ी, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.6 लाख इकाई तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि सितंबर में अकेले यात्री वाहनों की बिक्री 3.72 लाख रही, जो महीने के आखिरी नौ दिनों में हुई खरीदारी की वजह से हुई। उन्होंने कहा कि कर में कटौती केवल त्योहारी सीजन के लिए ही नहीं की गई है।

इस दीपावली अपनों को उपहार में दीजिए फास्टैग वार्षिक पास : एनएचएआई

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपावली पर फास्टैग वार्षिक पास एक बेहतरीन त्योहारी उपहार के रूप में किसी को दिया जा सकता है। सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ा कहा कि अब राजमार्ग यात्रा ऐप के जरिए किसी को भी फास्टैग वार्षिक पास उपहार में दिया जा सकता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यात्रा को आसान और आरामदायक बनाने वाला, फास्टैग वार्षिक पास इस त्योहारी सीजन में यात्रियों के लिए एक बेहतरीन उपहार हो सकता है, जो उन्हें देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर सालभर की परेशानी मुक्त यात्रा का अवसर प्रदान करता है। मंत्रालय ने कहा कि राजमार्ग

यात्रा ऐप के जरिए वार्षिक पास उपहार में दिया जा सकता है। इसके लिए ऐप पर 'पास जोड़ें' विकल्प पर क्लिक करके, उपयोगकर्ता उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ सकते हैं, जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। यह एक साधारण ओटीपी सत्यापन के बाद वार्षिक पास उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर सक्रिय हो जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक सहज और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करता है और यह पूरे भारत में लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है। वार्षिक पास एक वर्ष की वैधता यानी 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के लिए 3,000 रुपये के एकमुश्त शुल्क भुगतान के माध्यम से फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की आवश्यकता को समाप्त करता है।

मंत्रालय ने कहा कि यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए लागू है। राजमार्ग यात्रा ऐप के माध्यम से एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद, वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर वार्षिक पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है।

सितंबर में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति में आई कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर राहत देने वाली खबर है। खुदरा और थोक महंगाई दर के बाद कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई (मुद्रास्फीति) सितंबर महीने में घटकर क्रमशः शून्य से 0.07 फीसदी नीचे और 0.31 फीसदी रह गई हे। ये अगस्त में क्रमशः 1.07 फीसदी और 1.26 फीसदी रही था। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने ा बताया कि सितंबर महीने में कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-एएल) 0.11 अंक घटकर 136.23 रह गया। इस दौरान ग्रामीण श्रमिकों का सूचकांक (सीपीआई-आरएल) भी 0.18 अंक घटकर 136.42 के स्तर पर पहुंच गया। अगस्त में सीपीआई-एएल 136.34 अंक और सीपीआई-आरएल 136.60

अंक रहे थे। कृषि मजदूरों के लिए खाद्य सूचकांक में 0.47 अंक और ग्रामीण मजदूरों के लिए 0.58 अंक की कमी आई है। मंत्रालय ने कहा, ÷सितंबर में खाद्य मुद्रास्फीति कृषि मजदूरों के लिए शून्य से 2.35 फीसदी नीचे और ग्रामीण मजदूरों के लिए शून्य से 1.81 फीसदी नीचे रही है।

सीतारमण ने बल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केएजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केएजीबी को अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए जमीनी स्तर पर कृषि ऋण वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सलाह दी। सीतारमण ने सभी हितधारकों को क्षेत्र में संबद्ध कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। डीएफएस सचिव एम नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी, केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वित्त मंत्री ने समीक्षा के दौरान ऋण वितरण वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के तहत प्रदर्शन और केएजीबी की सरकार की प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और संबद्ध क्षेत्र को ऋण वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया। सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से आग्रह किया कि वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं।

घरेलू बचत में बदलाव भारत के आर्थिक भविष्य की दिशा तय करेगा, एलारा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की महत्वाकांक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश अपने घरों की बचत को कितनी प्रभावी ढंग से उत्पादक संपत्तियों में लगाता है। यह बात एलारा सिक्योरिटीज की हालिया रिपोर्ट में कही गई है।

आने वाले वर्षों में बदलाव की संभावना

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में घरेलू बचत की संरचना में बड़ा परिवर्तन हो रहा है। यह बदलाव अनुकूल जनसांख्यिकी, सरकारी सुधार, आर्थिक नीतियां और मजबूत डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा समर्थित है। ये सभी कारक आने वाले वर्षों में भारतीय घरों के बचत और निवेश के तरीके में स्पष्ट बदलाव लाने की संभावना रखते हैं।

अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति

रिपोर्ट ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के लिए घरेलू बचत को उत्पादक संपत्तियों की ओर निर्देशित करना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि भारत में घरेलू बचत का रिटर्न, जोखिम और तरलता प्रोफाइल तेजी से बदल रहा है, लेकिन वित्तीय बचत अभी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम है।

ब्रोकरेज का अनुमान है कि भारत की सकल वित्तीय बचत आने वाले वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ सकती है, और यह देश की जीडीपी का लगभग 11 से 12 प्रतिशत हिस्सा बन सकती है। इसमें यह भी देखा गया कि घरेलू बचत दर, यानी सकल उपलब्ध आय के प्रतिशत के रूप में, कई अन्य देशों की तुलना में अधिक है। यह उच्च बचत दर निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण घरेलू पूंजी स्रोत के रूप में काम करती है और आर्थिक विकास को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है।

वर्षों के दौरान, भारत में बचत का स्वरूप पारंपरिक रूपों जैसे बैंक जमा और नकद से बदलकर पूंजी बाजार, निवेश योजनाओं और पेंशन स्कीमों की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट ने इस बदलाव को उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार से जोड़ा गया है, जिसने वित्तीय निवेश को अधिक सलभ और सुविधाजनक बना दिया है।

बैंक डिपॉजिट का हिस्सा वित्त वर्ष 71-80 में 50 प्रतिशत से अधिक था, जो वित्त वर्ष 24 तक घटकर 40 प्रतिशत से कम हो गया, जो बैंकों के लिए चुनौती बन सकता है। नकद होल्डिंग पिछले चार दशकों में लगभग 10फीसदी पर स्थिर रही, जो डिजिटल लेन-देन में वृद्धि के बावजूद नकद को मूल्य भंडार के रूप में रखने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। बचत पूंजी बाजार और पेंशन योजनाओं की ओर बढ़ रही है, क्योंकि ये उच्च रिटर्न, लंबी अवधि की संपत्ति सृजन और कर लाभ प्रदान करते हैं। रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि घरेलू बचत के बदलते स्वरूप पर ध्यान केंद्रित करना भारत की आर्थिक प्रगति के लिए अहम है, और इसे उत्पादक संपत्तियों में सही तरीके से निर्देशित करना ही तय करेगा कि देश अपने विकास और वृद्धि लक्ष्यों को कितनी प्रभावी ढंग से हासिल करता है।

देश का दर्पण न्यूज प्राइवेट लिमिटेड 14 नंबर वीकेआई सीकर रोड जयपुर राजस्थान मोबाइल नंबर 701499 7449/ 7878970109 deshkadarpannews.@gmail.com website - www.deshkadarpannews.co/www.deshkadarpannews.com